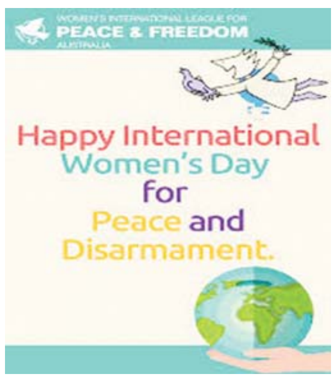

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 281/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 24 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

राजमाता कै माधवी राजे सिंधिया जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने उत्तराखंड के छ्रूपुष्कर सिंह धामी ग्वालियर के जय विलास पैलेस पहुंचे।

प्रशांत किशोर ने लोकसभा चुनाव की भविष्यवाणी पर किया कटाक्ष, बोले- 4 जून को भरपूर पानी रखें तैयार

प्रशांत किशोर ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव का अनुमान लगाने वालों पर अपना तंग कसा है और कहा कि उन्हें 4 जून (लोकसभा चुनाव पनिणाम घोषित) मतगणना के दिन ÷भरपूर पानी अपने पास रखना चाहिए÷। प्रशांत किशोर कि अपनी भविष्यवाणी के द्वारा बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव में अपना प्रदर्शन या तो बरकरार रखेगी या इस चुनावी रेस में आगे निकल जाएगी। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशांत कुमार ने कहा ÷पानी पीना शरीर के लिए अच्छा है क्योंकि यह दिमाग और शरीर दोनों को हाइड्रेटेड रखता है। जो लोग मेरे इस चुनाव परिणाम के नतीजो को लेकर आर्चाय है, उन्हें अपने पास 4 जून को भरपूर पानी रखना चाहिए। उन्होंने स्पष्टतः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए कहा, जिसकी उन्होंने सटीक भविष्यवाणी की थी।

वायरल क्लिपों के माध्यम से प्रशांत किशोर ,करण थापर की तीखी बहस को देखा जा सकता है। जब खबर को लेकर पूर्व राजनीतिक सलाहकार से बात कि तो उनके आकलन के बारे में कितना अनुमान है। क्योंकि हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों में 'आसन्न हार' की पूर्व भविष्यवाणी गलत साबित हुई थी। यह पूछे जाने पर कि उन्हें भाजपा के कितनी सीटें जीतने की उम्मीद है, इस बात को लेकर प्रशांत का कहना है कि 'इस क्षेत्र में मेरे पास जो भी अनुभव है, उसे लेकर भाजपा की संख्य 2019 में जहां थी, उससे कम होगी'। किशोर ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में तीन अंकों के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकती है।

तीन दोस्तों ने यूपीएससी की पढ़ाई की, 2 बने IAS, एक को IPS रास आई!

नई दिल्ली। दोस्ती यदि सच्ची हो, तो उसमें प्रतिद्वंद्विता की भावना नहीं होती। इसकी मिसाल दी, तीन दोस्तों ने और एक साथ यूपीएससी की तैयारी की और सिलेक्ट भी हुए। एक आईपीएस बना और दो आईएएस। साद मियां खान आईपीएस बन गए। जबकि, विशाल मिश्रा और गौरव विजयराम आईएएस बन गए।

तीनों दोस्त एक साथ रहे, एक साथ पढ़े और एक साथ ही यूपीएससी क्रेक करके अफसर बने।

तीनों ने साल 2017 में यूपीएससी क्रैक किया। साद मियां खान उत्तर प्रदेश के बिजनौर के रहने वाले हैं। विशाल मिश्रा से उनकी मुलाकात हरकोट बटलर टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (एचपीटीयू), कानपुर में बीटेक के दौरान हुई. दोनों लोगों ने एमटेक के लिए आईआईटी कानपुर में एडमिशन लिया। साद ने यहीं से यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी।

एमटेक के बाद यूपीएससी की तैयारी के लिए विशाल मिश्रा और साद मियां खान दिल्ली चले गए। यहां इनकी मुलाकात गौरव विजयराम से हुई। इसके बाद तीनों पक्के दोस्त बन गए और जुट गए अपने सपने को पूरा करने में। साद मियां ने पांचवें प्रयास में यूपीएससी क्रेक की। साद ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2013 में पहली बार दी थी. उन्हें यूपीएससी में सफलता 2017 में मिली. यह उनका पांचवां प्रयास था। साद ने ऑल इंडिया 25वीं रैंक हासिल की. लेकिन उन्होंने आईएएस के बजाए आईपीएस को चुना। गौरव विजयराम का चौथे प्रयास में सिलेक्शन हुआ। उनका 2017 में चौथा प्रयास था। उन्होंने 34वीं रैंक हासिल की थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि शुरुआती प्रयास में वह मुख्य परीक्षा के लिए तैयार नहीं थे। इसके बाद के प्रयास में जनरल स्टडीज के पेपर में अच्छे मार्क्स नहीं आए थे।

आईएएस विशाल मिश्रा उत्तराखंड के रहने वाले हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर में साद मियां खान के साथ एमटेक किया। इसके बाद यूपीएससी की तैयारी शुरू की. विशाल ने साल 2017 में 49वीं रैंक के साथ यूपीएससी क्रैक की थी। तीन दोस्तों की एक साथ सिविल सेवा में जाने की ये अनोखी मिसाल है। विशाल बताते हैं कि एचबीटीयू से बीटेक करने के बाद मैं आईआईटी कानपुर से एमटेक की पढ़ाई करने चला गया। फिर दोस्त साद से मुलाकात नहीं हो पाती थी, मगर हम दोनों व्हाट्सएप के जरिए एक दूसरे जुड़े रहे। वर्ष 2015 और 2016 में यूपीएससी के साक्षात्कार तक पहुंचा। वहीं, बीटेक के बाद साद मियां ने अपने घर रहकर पांच बार यूपीएससी की परीक्षा दी, मगर दोनों को कामयाबी तीसरे दोस्त गौरव के साथ मिली।

सरकारी स्कूलों में भी प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू होंगी, 6000 की नई भर्ती की जाएगी!

भोपाल। सरकारी स्कूलों में पहली बार प्री-प्राइमरी कक्षाएं भी अगले सत्र से शुरू होना हैं। इनके लिए टीचरों की भर्ती भी किया जाना जरूरी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिए टीचर और अन्य स्टाफ के 6000 से अधिक पदों का प्रस्ताव बनाया है। पहली बार प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिए शिक्षकों के पद स्वीकृत होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आचार संहिता हटने के बाद यह प्रस्ताव कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा। प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। शिक्षकों के चयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य सरकार ने आगामी शिक्षा सत्र से प्रदेश के 3061 सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। इन कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया 15 जून से शुरू होगी। प्री-प्राइमरी कक्षाओं- नर्सरी, जी-1 और जी-2 में प्रवेश के लिए आयु सीमा निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए न्यूनतम उम्र 3 वर्ष और अधिकतम 6 साल छह महीना है। राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में सभी जिला कलेक्टरों को दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं। कलेक्टरों से जिलों में चिन्हित स्कूलों में प्री- प्राइमरी कक्षाओं के संचालन के लिए सुविधाएं जुटाने को कहा गया है।

67 सीएम राइज स्कूल में प्री-प्राइमरी- सीएम राइज स्कूल में प्री-प्राइमरी कक्षाएं लगाए जाने का प्रावधान है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में उन 67 सीएम राइज स्कूल में प्री-प्राइमरी कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, जिनके पास खुद के भवन है। इन स्कूलों में भी प्री-प्राइमरी 7 कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों के अलग से पद स्वीकृत नहीं हैं।

हिमाचल में मोदी बोले-राज्य सरकार ज्यादा दिन नहीं रहेगी

नाहन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज हिमाचल के सिरमौर में पहुंचे। उन्होंने नाहन में रैली को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि हिमाचल मेरा दूसरा घर है। कांग्रेस ने हिमाचल में विधानसभा चुनाव में कई गारंटी दी। पहली कैबिनेट में एक लाख नौकरी बोली। पहली कैबिनेट में कुछ हुआ तो नहीं बल्कि कैबिनेट ही टूट गई। ये सरकार ज्यादा दिन नहीं रहने वाली है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबका आरक्षण छीन अपनी वोट बैंक, जो वोट जिहाद की बात करते हैं, उन मुसलमानों को दे देना चाहती है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनने के बाद ओबीसी के अधिकार छीनकर मुसलमानों को दे दिए। अब पीएम मोदी मंडी के पड्डल ग्राउंड में रैली करेंगे। जहां से भाजपा ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट को उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार मंत्री विक्रमादित्य से है।

मोदी ने कहा- लोगों के घर घर जाकर कहना की मोदी जी सिरमौर आए थे और कहना कि मोदी ने नमस्कार बोला है। आप सब मिलकर देवी-देवताओं के मंदिर में जाकर आशीर्वाद मांगना ताकि विकसित भारत का सपना साकार हो सके।

उन्होंने कहा कि मोदी का संकल्प है गरीब के घर चूल्हा जलता रहना चाहिए। इसलिए मुफ्त अनाज योजना अगले पांच साल चालू रहेगी। शिमला संसदीय सीट से सुरेश कश्यप को वोट देकर विजयी बनाना है। कश्यप को दिया वोट सीधा मोदी के खाते में आएगा।

पीएम ने कहा- कांग्रेस वाले गप मारकर गए। मोदी आपका बिजली बिल जीरो कर देगा। इसके लिए एक बड़ी योजना लेकर आपकी सेवा में हाजिर हैं। योजना शुरू कर दी है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना। इससे जो सरप्लस बिजली पैदा करेंगे, उसे बेचकर कमाई भी करेंगे। आपके घर पर सोलर पैनल लगाने के लिए 75 हजार रुपए सरकार देगी। ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। सिरमौर वाले भाइयों आप भी बुकिंग करवा दें। प्रधानमंत्री ने कहा- वह आज कांग्रेस और इंडी गठबंधन की साजिश से सावधान करने आए हैं। उनके दिल में आग है। ये भारत को तबाह करने के लिए कैसे-कैसे खेल-खेल रहे हैं। संविधान में एससी, एसटी समुदाय को आरक्षण दिया, कांग्रेस सारे आरक्षण खत्म करके वोट बैंक मुसलमानों को दे देना चाहती है। ये सिर्फ बातें नहीं करते। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनने के बाद ओबीसी के अधिकार छीनकर मुसलमानों को दे दिए।

7 राज्यों में 5 दिन हीटवेव का रेड अलर्ट

राजस्थान में गर्मी से 8 की मौत, लगातार दूसरे दिन बाड़मेर सबसे गर्म रहा, भोपाल में पारा 44.4 तक पहुंचा

नई दिल्ली। उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में तापमान 40 से 46 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में अगले 5 दिन ऐसे ही हालात रहेंगे। इन राज्यों में लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। भोपाल में पारा 44.4 तक पहुंच गया है। राजस्थान में गुरुवार को लू और गर्मी की वजह से 8 लोगों की मौत हो गई। बाड़मेर में तापमान लगातार दूसरे दिन 48 डिग्री के पार रहा। यहां तापमान 48.8 डिग्री पर पहुंच गया। जैसलमेर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तापमान 53 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

राजस्थान में इन दिनों गर्मी तेज है। पारा भी 49 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचा है। बाड़मेर, जालोर समेत पाकिस्तान की सीमा से लगते तमाम जिले भयंकर लू की चपेट में आ गए। 25 मई से नौतपा (भीषण गर्मी के 9 दिन) शुरू हो रहा है। मौसम केन्द्र जयपुर ने कल 22 जिलों के लिए रेड अलर्ट, तीन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 25 से 27 मई तक राजस्थान का 75 फीसदी हिस्सा भीषण गर्मी का दौर देखेगा। मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। 2-3 दिन से ग्वालियर-चंबल की गर्मी मालवा-निमाड़ की ओर भी शिफ्ट हुई है। इस वजह से इंदौर, उज्जैन, खंडवा, शाजापुर भी भट्‌टी की तरह तप रहे हैं।

हीटवेव के कारण सब्जियां और दालें 40 प्रतिशत तक महंगी

हीट वेव की कारण सब्जियों और दालों की मौजूदा महंगाई अगले महीने भी जारी रहने का अनुमान है। खासकर आलू, टमाटर, प्याज की कीमतें बढ़ने से खाने का खर्च बढ़ गया है। अप्रैल में सब्जियों की कीमतें बीते साल से औसतन 27.8त्न ज्यादा थीं। पिछले महीने आलू की फुटकर कीमत में सालाना आधार पर 53त्न की बढ़ोतरी हुई।

छठे फेज की वोटिंग से पहले सोनिया गांधी ने कहा

दिल्ली की जनता इंडिया को वोट दे, उसे बेहतर रोजगार मिलेगा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 की 6वें चरण की वोटिंग से पहले गुरुवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वीडियो मैसेज के जरिए जनता को संबोधित किया। उन्होंने दिल्ली के लोगों से इंडिया गठबंधन को वोट देने की अपील की।

सोनिया ने दिल्ली के मतदाताओं से पार्टी उम्मीदवारों और उसके सहयोगी दल आप के उम्मीदवारों को जीत दिलाने का आग्रह किया। सोनिया ने कहा कि कांग्रेस और उसके इंडिया गठबंधन के पक्ष में डाले गए प्रत्येक वोट से बेहतर रोजगार मिलेगा। बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। ये हमारे लोकतंत्र के साथ-साथ देश के संविधान को बचाने का चुनाव हैं।

उन्होंने आगे कहा कि ये चुनाव बेरोजगारी, महंगाई और हमारे संस्थानों पर हमले जैसे मुद्दों पर लड़े जा रहे हैं। आपको (जनता) इस लड़ाई में अपनी भूमिका निभानी है। दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर एक ही चरण में 25 मई को मतदान होगा। कांग्रेस ने तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें चांदनी चौक, नॉर्थ वेस्ट और नॉर्थ ईस्ट दिल्ली की सीट शामिल हैं।

8 राज्यों की 58 सीटों पर वोटिंग कल, मनोज तिवारी, कन्हैया कुमार और मेनका गांधी मैदान में

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे फेज में शनिवार (25 मई) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों पर वोटिंग होगी। जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर तीसरे फेज में चुनाव होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया था। अब यहां छठे फेज में वोटिंग हो रही है।

इस फेज में 3 केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कृष्ण पाल सिंह गुर्जर और राव इंद्रजीत सिंह मैदान में हैं। 3 पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, मनोहर लाल खट्टर और जगदंबिका पाल भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा मनोज तिवारी, मेनका गांधी, नवीन जिंदल, बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा, राज बब्बर, निरहुआ भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के छठे फेज में 889 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं।

बूथ वाइज डेटा अपलोड की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनावों के दौरान अपनी वेबसाइट पर वोटर टर्नआउट अपलोड करने वाली याचिका पर चुनाव आयोग को कोई भी निर्देश देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 5 फेज हो चुके हैं, दो चरण बाकी हैं। ऐसे में डेटा अपलोडिंग के लिए मैनपावर जुटाना चुनाव आयोग के लिए मुश्किल है। सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की वेकेशन बेंच ने की। हृह्र एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने याचिका में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर फॉर्म 17सी डेटा अपलोड करने और बूथ वाइज वोटिंग डेटा अपलोड करने की मांग की थी।

कंबोडिया से 360 भारतीयों का रेस्क्यू

विदेशों में मोटी सैलरी का लालच देकर एजेंट्स ने फंसाया, इनसे साइबर ठगी कराई जाती थी

नामपेन्ह। भारत ने कंबोडिया से 360 भारतीयों का रेस्क्यू किया है। इन्हें फ्रॉड एजेंसी ने नौकरी का लालच देकर कंबोडिया भेजा था। वहां इनसे साइबर फ्रॉड जैसे काम कराए जाते थे। भारतीय दूतावास गुरुवार (23 मई) को बताया कि इन्हें जिनबेई-4 नामक जगह से 20 मई को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। दूतावास के मुताबिक, 60 नागरिकों का पहला जत्था वापस स्वदेश लाया जा चुका है। दूतावास ने आगे कहा कि बाकी लोगों के ट्रैवल डॉक्यूमेंट और अन्य चीजों की जांच की जा रही है और उन्हें भी जल्द ही स्वदेश लाया जाएगा।

टूरिस्ट वीजा पर नौकरी तलाश कर रहे लोगों को भारतीय दूतावास ने दी चेतावनी- दूतावास ने बताया कि सिहानोकविले प्रशासन की मदद से ये ऑपरेशन चला। इसके लिए उन्होंने कंबोडियाई प्रशासन को धन्यवाद कहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर रास्ता भटका, चुनावी सभा को संबोधित करने आ रहे थे बिहार

पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण में चुनावी सभा को संबोधित करने आ रहे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर रास्ता भटक गया। हालांकि कुछ देर बाद ही हेलीकॉप्टर को सही दिशा ले जाया गया। पायलट ने समय रहते से सबकुछ कंट्रोल में कर लिया। इस कारण सीएम योगी को पूर्वी चंपारण पहुंचने में डेढ़ घंटा लग गया। गुरुवार को चुनाव प्रचार थमने से कुछ देर पहले ही वह मंच पर पहुंचे और चुनावी सभा को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कहा कि आज मुझे सबसे पहले आपके बीच आना था, लेकिन मुझे हेलीकॉप्टर से दूसरी सीट पर ले जाया गया। वहां से अब आपके बीच आया हूं। दरअसल, सीएम योगी को ओडिशा के पुरी व एक और क्षेत्र में रैली कर योगी को बिहार आना था। बिहार में पहले उन्हें पूर्वी चंपारण आना था। इसके बाद पश्चिम चंपारण में रैली कर अपना कार्यक्रम समाप्त करना था। दोनों जगह सारी तैयारी पहले ही पूरी हो चुकी थी। योगी को सुनने लोगों की भीड़ जुट गई। इसी हेलीकॉप्टर से रास्ता भटकने के कारण वह पहले पश्चिम चंपारण पहुंच गए। इस कारण पूर्वी चंपारण में डेढ़ घंटे देरी से उन्होंने जनसभा को संबोधित किया।

हाई कोर्ट की टिप्पणी दहेज के लिए पत्नी को मायके में रहने के लिए मजबूर करना मानसिक क्रूरता!

जबलपुर। दहेज की मांग करने और पत्नी के मायके जाने पर एमपी हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने शादीशुदा जिंदगी बचाने पर भी अहम टिप्पणी की। शहडोल निवासी एक परिवार की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट की एकलपीठ ने ये टिप्पणी की। इसी के साथ जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने परिवार के खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज करने की मांग को भी नामंजूर कर दिया।

इस मामले में पत्नी ने अपने पति के परिवार पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया था। इससे परेशान होकर वह मायके चली गई। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि दहेज की मांग करते हुए पत्नी को मायके में रहने के लिए मजबूर करना मानसिक क्रूरता है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने पत्नी की चुप्पी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वैवाहिक जीवन बचाने के लिए चुप रहना नेक काम है।

शहडोल के नीरज सराफ, पंकज सराफ और उसकी पत्नी सीमा सराफ ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। इसमें रीवा महिला थाने में उनके खिलाफ दहेज प्रकरण में दर्ज एफआईआर को खारिज किए जाने की मांग की गई। आरोपियों का दावा था कि उनके छोटे भाई सत्येंद्र की पत्नी शिल्पा ने शादी के साढ़े 4 साल बाद दहेज प्रताड़ना की झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

एकलपीठ ने शिल्पा की शिकायत सही पाई। शिल्पा ने स्पष्ट आरोप लगाए कि शादी के चार महीने बाद से ही पति और उसके परिजन 20 तोला सोना तथा फॉर्च्युनर कार के लिए उसके साथ मारपीट करने लगे थे। मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल से निकाल दिया तो वह माता-पिता के पास मायके आकर रहने लगी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि तलाक का नोटिस मिलने के बाद शिल्पा को लगा कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए उसने पुलिस में दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज करवाई। कोर्ट ने यह भी कहा कि दांपत्य जीवन को बचाने के लिए चुप रहना अच्छा है। इसे तलाक का नोटिस मिलने के बाद की प्रतिक्रिया नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने दहेज की मांग करते हुए पत्नी को मायके में रहने के लिए मजबूर करने को मानसिक क्रूरता बताया है। इसी के साथ कोर्ट ने एफआईआर को खारिज करने की मांग नामंजूर कर दी।

जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने अपने आदेश में अहम टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि शादीशुदा जिंदगी बचाने के लिए पत्नी का चुप रहना नेक काम है। इसे पति द्वारा तलाक के लिए दायर आवेदन की प्रतिक्रिया नहीं माना जा सकता।

गुफा मंदिर पर 51 वैदिक ब्राहम्णों द्वारा मंत्रोचार के साथ भूमि पूजन सम्पन्न

संत हिरदाराम नगर। लाालघाटी स्थित गुफा मंदिर में आद्यवाराहपीठ वृंदावन, गुफामंदिर के महंत श्री श्री 1008 महंत रामप्रवेषदास महाराज के सानिध्य में 12 जून से 16 जून में होने वाले पंचदिवसीय नवकुण्डात्मक श्रीराम महायज्ञ एवं वृंदावन की प्रसिद्ध रासलीला मंचन का भूमि पूजन कार्यक्रम गुरूवार को गुफामंदिर में 51 वैदिक ब्राहम्णों द्वारा मंत्रोचार के साथ अभिजित मुहुर्त में विधि विधान से संपन्न हुआ। भूमि पूजन में महापौर मालती राय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक षर्मा, कैलाश मिश्रा, प्रियंका मिश्रा, अषोक मारण, चन्दरलाल चन्दानी, ष्याम बाबा, जगदीष षायदा, राजेन्द्र गुप्ता, प्रमोद नेमा सहित षहर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्राकृतिक चिकित्सा का 10 दिवसीय आवासीय शिविर का शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर । आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रंखला के अन्तर्गत दस दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में विभिन्न स्थानों से कई साधकगण अपक्काहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभान्वित होने की उम्मीद से आए हैं। इस शिविर में शिविरार्थियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास एवं अपक्क आहार, रसाहार, फ लाहार के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई जाएगी। डॉ दिनेश यादव ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि इस शिविर का उद्देश्य है बिना दवा तंदुरूस्ती पाना। इस दस दिवसीय शिविर में आप अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो सीखेंगे। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक हैं इसलिए इस शिविर का नाम ही रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर रखा गया है। इस शिविर में आप ऐसी कला सीखेंगे, जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करना। आप अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे। बीमारी सबसे पहले मन में पैदा होती हैं, फिर शरीर पर प्रकट होती हैं। बीमारियों का मुख्य कारण है शरीर में गंदगी का जमा होना और बीमारियों से निजात पाने के लिए एनिमा, उपवास व अपक्काहार का विशेष महत्व है। प्राकृतिक चिकित्सा में प्राकृतिक भोजन, प्राकृतिक उपचार एवं योग से शरीर का शुद्धिकरण करते हैं। जितना जरूरी आपके लिए प्राकृतिक उपचार हैं उतना ही जरूरी ध्यानात्मक क्रिया हैं, इसलिए आपको ध्यानात्मक क्रिया करना आवश्यक हैं।

श्रीराम कथा में भगवान राम का प्राकट्य धूमधाम से मनाया

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदराम नगर बैरागढ़ कलां रेलवे फाटक के पास स्थित श्री चित्र विचित्र हनुमान मंदिर पर चल रही श्रीराम कथा के तृतीय दिवस भगवान राम का प्राकटय बड़े धूमधाम से मनाया गया। राजा दशरथ के घर में चार पुत्रों का जन्म हुआ। सतानंद महाराज ने बताया भगवान का जन्म धरती पर क्यों होता हैं, जब धरती में पाप, दुराचार, गौ हत्या, ब्राह्मण का अपमान होता हैं तो भगवान जन्म लेकर समस्त पापो का हरण करते हैं। महाराज ने कहा कि भगवान के सीसीटीवी कैमरे से डरिए। उनका कैमरा हर जगह लगा है जिसमें हमारे सारे कर्म रिकॉर्ड हो जाते हैं। इसलिए अपने कर्म पर हमेशा ध्यान रखना चाहिए। जिस गाय के पीछे राम-कृष्ण नंगे पैर भागते थे आज वो कूड़ा खाने के लिए मजबूर हैं। गौ माता को राष्ट्र माता और भारत को हिंदूराष्ट्र घोषित करना चाहिए।

बिना रजिस्ट्रेशन घरों में पल रहे कुत्ते, करीब 10,000 पालतू कुत्ते, रजिस्टर्ड केवल 1350

कुत्तों के आतंक बढने के बाद सरकार ने निर्देश दिए थे कि पालतू कुत्ते, बिल्ली आदि का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है, पर इस नियम का नहीं हो रहा पालन

नसबंदी पर हर साल लाखों के खर्च के बाद भी इनकी आबादी नहीं हो पा रही नियंत्रित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल सहित प्रदेशभर में कुत्तों के आतंक बढने के बाद सरकार ने निर्देश दिए थे कि पालतू कुत्ते, बिल्ली आदि का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। लेकिन राजधानी भोपाल में ही सरकार के निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2019 की जनगणना के अनुसार राजधानी में करीब 10,000 पालतू कुत्ते हैं। हालांकि नगर निगम में महज 1350 कुत्तों का ही रजिस्ट्रेशन है। इसके अलावा करीब दो लाख आवारा कुत्ते हैं। इनकी नशबंदी पर हर साल लाखों के खर्च के बाद भी इनकी आबादी नियंत्रित नहीं हो पा रही।

नगर निगम के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी की हर कॉलोनी और कई मंत्रियों, अफसरों के घरों में कुत्ते पले हुए हैं। अधिकांश विदेशी नस्ल के हैं। ऐसे डॉग्स की जानकारी इकट्ठा करने और इनसे लोगों को होने वाली दिक्कतों पर नियंत्रण के लिए सरकार ने अनिवार्य तौर से रजिस्ट्रेशन कराने के नियम भी बनाए हैं। इसके बाद भी शहर में 1350 से कुछ अधिक डॉग्स को पालने का लायसेंस ही इनके मालिकों को पास है। यह स्थिति तब है जब कुत्ता मालिकों पर पेनाल्टी लगाने का नियम है और पेट डॉग्स के हमलों के मामले सामने आ चुके हैं। नियम है कि पशु चिकित्सक की ओर से जारी सर्टिफिकेट भी देना होगा कि उसे कोई संक्रमण नहीं है और वह परिसर में रखे जाने लायक है।

रजिस्ट्रेशन के बाद निगम आयुक्त या मुख्य नगरपालिका अधिकारी पशु चिकित्सक की देख रेख में पशु को माइक्रो चिप अथवा टैग या अन्य साधनों से ब्रांडिंग कोड लगवाएगा, इसे पशु स्वामी की विस्तृत जानकारी होगी। कोड को निकाय के रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। कोडिंग का खर्च भी पशु स्वामी से लिया जाएगा। रजिस्ट्रेशन एक साल के लिए रहेगा, इसे हर वर्ष समाप्ति के 30 दिन के भीतर रिन्यू कराना होगा, ऐसा न कर पाने पर देरी के लिए प्रत्येक दिन रजिस्ट्रेशन फीस की दस फीसदी की दर से पेनाल्टी लगाई जाएगी। कोड के साथ या बिना खुले में घूमते मिले पशु को निकाय के अधिकारी जब्त करेंगे, कांजी हाउस में रखेंगे, जब्त करने के एक हफ्ते के भीतर मालिक को दावा करना होगा, ऐसा न होने पर उसका उपयुक्त रीति से निपटान किया जाएगा। कोई ब्रांडेड पशु दो बार से ज्यादा आवारा भटकते पाया जाता है को उसके मालिक को सात दिन में जवाब देने का नोटिस दिया जाएगा, इससे संतुष्ट न होने पर लायसेस रदद करने के साथ ही 100 से 500 रुपए की पेनाल्टी वसूली जाएगी।

लायसेंस का प्रावधान 15 साल से: भोपाल नगर निगम पालतू कुत्तों का लायसेंस बीते 15 साल से बना रहा है। अब तक 1350 से अधिक लायसेंस जारी किए जा चुके हैं।

यह पेट डॉग्स की वास्तविक संख्या के मुकाबले काफी कम है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने मप्र नगरपालिका (रजिस्ट्रीकरण तथा आवारा पशुओं का नियंत्रण) नियम 2023, फरवरी 23 में अधिसूचित किए थे। इसमें स्पष्ट तौर से कहा गया कि नगरीय निकाय की सीमा में रखे या लाए गए प्रत्येक पशु के स्वामी इन नियमों के नोटिफाइड होने के तीन महीने के भीतर या शहर में लाने के सात दिन के अंदर, पशु के रजिस्ट्रीकरण के लिए संबंधित अधिकारी को आवेदन करेगा। ऐसा न करने पर पशु मालिक पर रजिस्ट्रेशन फीस की दस गुना पेनाल्टी लगाई जाएगी। नियमों के मुताबिक पशु के खतरनाक या आक्रामक होने की शिकायत मिलने पर उसके मालिक को नोटिस देकर सात दिन में जवाब मांगा जाएगा। इससे संतुष्ट न होने पर नया नोटिस जारी करते हुए तीन दिन में पशु को उचित नियंत्रण में रखने का निर्देश देंगे। इस पर अमल नहीं करने की स्थिति पशु को नीलाम कर दिया जाएगा।

संत रविदास और भगवान बुद्ध की महाआरती का आयोजन

भोपाल। नवयुवक अहिरवार समाज सुधार संघ द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर नया बसेरा संत रविदास मंदिर पर विशेष पूजा अर्चना कर संत श्री रविदास महाराज और भगवान बुद्ध की महा आरती का आयोजन समाज के सभी बंधुओ द्वारा किया गया आज इस अवसर पर नवयुवक अहिरवार समाज सुधार संघ के अध्यक्ष गोविंद कहा मैं बताया कि बुद्ध पूर्णिमा समाज के द्वारा बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है आज इसी क्रम के चलते संत रविदास महाराज और भगवान बुद्ध के चरणों में पुष्प माला अर्पित कर महा आरती की गई जिसमें आज समाज के सभी वर्ग उपस्थित हुए और सभी ने भगवान बुद्ध और संत रविदास महाराज का आशीर्वाद लिया।

बुधनी रेलवे माल गोदाम पर सीमेंट रेक के साथ इनवर्ड रेक मूवमेंट का शुभारंभ

नर्मदापुरम। एस एम एच कारपोरेशन इटारसी द्वारा बुधनी मालगोदम पर सीमेंट रैक के साथ इनवर्ड रैक मूवमेंट की शुरूआत की है, इसके पूर्व भी एस एम एच कॉरपोरेशन द्वारा बागड़ा तबाह अन्य स्टेशनों पर इसकी शुरुआत की जा चुकी है। कारपोरेशन के डायरेक्टर अर्पित अग्रवाल ने बताया कि ,इससे रोज़गार के नये अवसर तो मिलेंगे ही ,ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री का व्यापार भी बढ़ेगा , श्री अग्रवाल ने बताया कि मुवमेंट की शुरआत होने से खाद एवं अन्य सीमेंट कंपनियों के लिए भी अच्छे अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। पूर्व में भी एस एम एच ट्रेडिंग कारपोरेशन के डायरेक्टर अर्पित अग्रवाल ने बागरातवा एवं अन्य स्थानों पर भी ऐसे ही पहल कर रोज़गार के नये अवसर उपलब्ध कराए है। अर्पित अग्रवाल ने बताया की इनवर्ड रैक मूवमेंट से वेयरहाउस मालिकों को भी मिलेगा लाभ । इस अवसर पर बुधनी रेलवे के अधिकारी व अन्य लोग उपस्थित थे।

अर्पित अग्रवाल का कहना है की निकट भविष्य में यदि इटारसी माल गोदाम स्थांतरित होता है तो सीमेंट व खाद कंपनियों के लिए कार्य करने के लिए बुधनी पसींदीदा स्टेशन साबित हो सकता है।

पानी, उम्मीद और सशक्तिकरण, सुनीता की दृढ़ता की कहानी

भोपाल। हर माँ अपने बच्चों के लिए एक सुरक्षित घर और शिक्षा के लिए एक बेहतर माहौल उपलब्ध कराने का सपना देखती है, लेकिन सुनीता के लिए सच्चाई बिल्कुल ही विपरीत थी। सुनीता जीवनभर मध्यप्रदेश में छतरपुर ज़िले के दूरवर्ती आदिवासी गांव में रही, जहाँ उसे मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिलती थी जिसके कारण उसका जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। अब उसकी 11 वर्षीय बेटी सपना भी एक ऐसे ही भविष्य का सामना कर रही है। सुनीता आर्थिक रूप से वंचित परिवार से है। अपनी मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद शादी के बाद उसे एक बेहतर जीवन की महत्वाकांक्षा थी।

हालांकि, उसके सपने चकनाचूर हो गए जब कम उम्र में ही उसके पति की मृत्यु हो गई और उसके बच्चों के पालन-पोषण की पूरी ज़िम्मेदारी उस पर आ गई। उसके जीवन की त्रासदी जारी रही और एक भयंकर दुर्घटना में उसके बड़े बेटे की मौत हो गई। बिना किसी सहारे के अब इस परिवार को अपनी बुनियादी ज़रूरतें पूरा करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा था। घर चलाने का पूरा बोझ अब सुनीता के कंधों पर था। उसके पास अपनी छोटी बेटी को अकेले घर छोड़ने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था और उसे पानी लाने के लिए हर दिन छह किलोमीटर चलना पड़ता था। छोटी उम्र में ही सपना को खाना बनाना, कपड़े धोना, घर साफ करना और घर के अन्य काम करने पड़ते थे जिस वजह से एक होनहार छात्रा होने के बावजूद वह पढ़ाई नहीं कर पाती थी। सुनीता जानती थी कि उसकी बेटी सपना स्कूल जाना चाहती है, लेकिन घर की कठिन परिस्थितियों के कारण उसे कई ज़िम्मेदारियाँ निभानी पड़ रही थी। आखिरकार, सुनीता और सपना जैसे सैकड़ों परिवारों को तब बड़ी राहत मिली जब आनंदना कोका कोला इंडिया फाउंडेशन ने हरीतिका के साथ मिलकर गांव में पानी उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण काम अपने हाथों में लिया। पानी की उपलब्धता ने पानी की कमी के कभी खत्म न होने वाले चक्र से गांववासियों को मुक्त कर दिया, जिसके कारण शिक्षा और कमाई के अन्य अवसरों सहित अन्य रूचियों को पूरा करना और रोज़गार करना उनके लिए संभव हो पाया।

पानी लाने के लिए सुनीता को फिर कभी घर के बाहर नहीं जाना पड़ा और वह अपने घर की ज़िम्मेदारियां निभाने लगी, जबकि उसकी बेटी पढ़ने के लिए स्कूल जाने लगी। सपना ने बड़ी सी मुस्कान के साथ कहा, हमारे गांव में एक बड़ी टंकी का निर्माण किया गया है जिसके माध्यम से मेरे घर में नल में मुझे पानी मिलता है। अब मेरी माँ और भाभी को पानी लाने के लिए घर के बाहर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती और हम लोग आपस में काम बांट लेते हैं। आखिरकार मैं स्कूल जा सकती हूँ और अपने सपनों को पूरा कर सकती हूँ।

11 करोड़ पर्यटकों का आगमन, उज्जैन में सबसे ज्यादा 5 करोड़ 28 लाख पर्यटक पहुंचे

मप्र पर्यटन दिवस पर विशेष

भोपाल । ऐतिहासिक धरोहरों, गौरवशाली इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य, विविध वन्यजीव एवं आध्यात्मिक अनुभव के लिये देश-दुनिया में प्रख्यात मध्यप्रदेश ने साल 2023 में 11 करोड़ से ज्यादा पर्यटकों का स्वागत किया, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक म.प्र. में 11 करोड़ 21 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 1 लाख 83 हजार रही। 2019 में कोविड प्रतिबंध लागू होने से पहले कुल 8,90,35,097 पर्यटकों का आगमन हुआ था। 2022 में पर्यटकों की संख्या 3,41,38,757 रही थी। प्रदेश में सबसे ज्यादा पर्यटक उज्जैन पहुंचे, जिनकी संख्या 5 करोड़ 28 लाख से ज्यादा रही। इसी तरह प्रदेश के सर्वश्रेष्ट 10 में पांच गंतव्य धार्मिक स्थल हैं। उल्लेखनीय है कि 24 मई को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (स्वक्सञ्चष्ट) का स्थापना दिवस है, इसी दिन को मध्यप्रदेश पर्यटन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि, पर्यटकों की रिकॉर्ड वृद्धि प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक पर्यटन में वृद्धि के साथ ही हमारी अनूठी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और सभी आगंतुकों के लिए एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के हमारे ठोस एवं समर्पित प्रयासों का प्रमाण है। अपनी सेवाओं में लगातार सुधार कर और अपने क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत परंपराओं को प्रचारित कर हम सफलतापूर्वक अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसका फायदा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रहा है और साथ ही हमारे समुदायों के विकास हेतु स्थायी अवसर सृजित हो रहे है।

धार्मिक स्थलों के विकास से ओर बढ़ेगी संख्याः शुक्ला

प्रदेश के सर्वश्रेष्ट 10 गंतव्यों में से पांच गंतव्य धार्मिक स्थल उज्जैन, मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर और सलकनपुर है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला के मुताबिक कई लोग धार्मिक स्थलों पर जाकर मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। धार्मिक स्थलों का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। यह स्थल प्राचीन इतिहास, वास्तुकला और संस्कृति का अद्भुत मिश्रण होते हैं। उज्जैन में महाकाल लोक, ओंकारेश्वर में एकात्म धाम जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं ने भी प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में मदद की है। श्री शुक्ला के अनुसार, सलकनपुर में देवी लोक, ओरछा में राजा राम लोक, छिंदवाड़ा में हनुमान लोक, चित्रकूट में श्रीराम वनगमन पथ जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं पूर्ण होने के बाद निश्चित ही प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में ओर वृद्धि होगी।

वर्ष-पर्यटकों की संख्या

2023- 11,21,29,094
2022- 3,41,38,757
2021- 2,55,95,668
2020- 2,14,00,693
2019- 8,90,35,097
2018- 8,46,14,456
2017- 5,88,62,584

प्रदेश के टॉप-10 गंतव्य

गंतव्य- पर्यटकों की संख्या

उज्जैन- 52841802
मैहर- 16849000
इंदौर- 10119030
चित्रकूट- 9001126
ओंकारेश्वर- 3475000
जबलपुर- 2669869
सलकनपुर- 2565000
नर्मदापुरम (पचमढ़ी, मढ़ई, नर्मदापुरम, आदमगढ़)- 2283837
रायसेन (भीमबेटका, सांची, भोजपुर)- 2137058
भोपाल- 1950965

गर्मी का सितम...

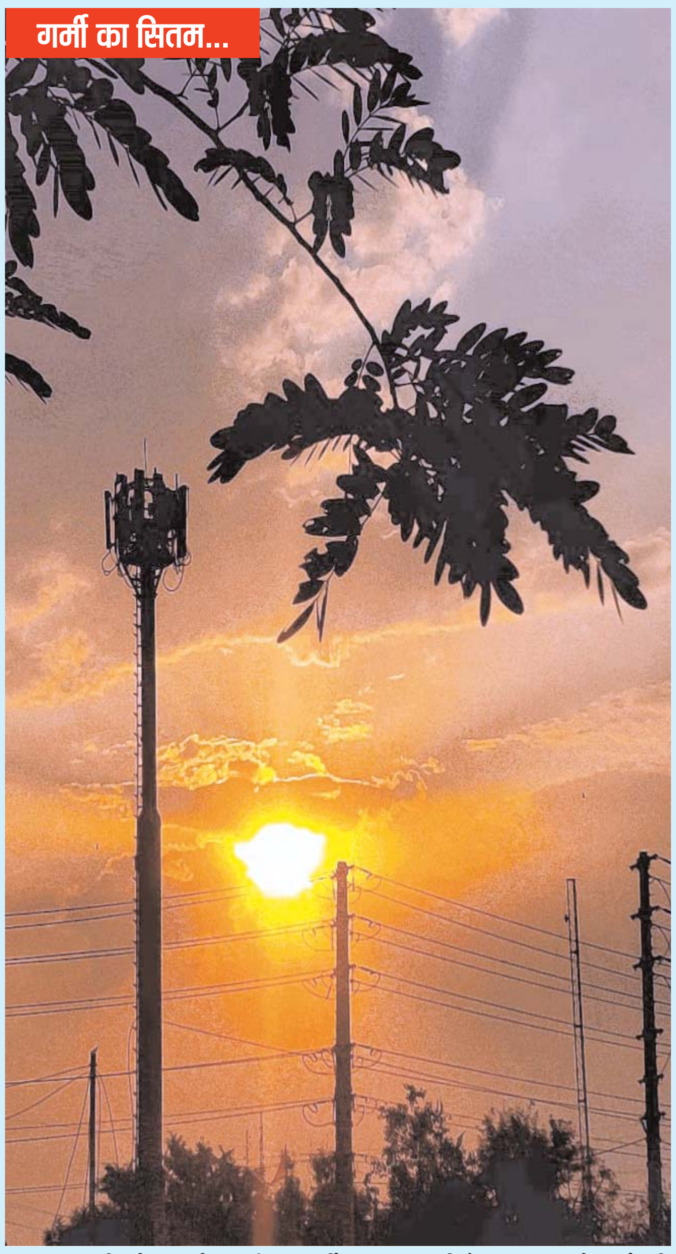

राजधानी भोपाल में इन दिना गर्मी कहर ढा रही है। सुबह उगते सूर्य की लालिमा से ही इसकी तपीश का अंदाजा लगाया जा सकता है।

भारत को विकास के मामले में दुनिया का नंबर वन देश बनाएगी भाजपा: डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने उत्तरप्रदेश और झारखंड में लोकसभा प्रत्याशियों के समर्थन की जनसभाएं

उत्तरप्रदेश, झारखंड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी श्री दिनेश लाल यादव निरहुआ के समर्थन में एवं झारखंड के देवघर में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी श्री निशिकांत दुबे के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी की लहर है। उनके नाम की आंधी है और इस आंधी में इस बार कांग्रेस और उनका घमंडिया गठबंधन उड़ जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के नेतृत्व में देश का मान-सम्मान दुनिया में बढ़ा है और विकास के मामले में देश दुनिया में नंबर वन बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजमगढ़ में रोड शो किया एवं झारखंड के देवघर में जनसभा के बाद बुद्धिजीवी सम्मेलन में भी सहभागिता की। इससे पहले वे बिहार के गया में भी स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल हुए। आजमगढ़ में हुए रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ रथ पर स्व. मुलायम सिंह यादव की बहू श्रीमती अर्पणा यादव भी मौजूद रहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव सबका साथ सबका विकास की बात करती आई है और धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध करती आई है। अब तो हाईकोर्ट ने भी निर्णय कर दिया है कि ममता बनर्जी द्वारा जिस प्रकार से राजनीतिक तुष्टिकरण के आधार पर एससी-एसटी, ओबीसी के 5 लाख से ज्यादा लोगों का आरक्षण एक वर्ग विशेष को दिया है। हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि इसे वापस लेकर इनका हक एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को देना चाहिए। यही गलती कांग्रेस ने भी कर्नाटक और आंध्रप्रदेश में की है। वहां की सरकारों ने भी आदिवासियों, ओबीसी का आरक्षण एक वर्ग विशेष को दिया है। वर्ग विशेष को आरक्षण देना ये एससी-एसटी और ओबीसी का न केवल हक काटने के बराबर है, बल्कि उनके साथ अन्याय करने जैसा है। यह बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और हमारे संविधान की मूल भावना के भी विरुद्ध है। मूल भावना में कहा गया था कि धर्म के आधार पर आरक्षण इस देश में नहीं दिया जा सकता। जो संविधान के बाहर जाकर केवल राजनीतिक स्वार्थ और तुष्टिकरण के कारण कांग्रेस, ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी और अन्य बाकी पार्टियां इस लाइन पर जा रही हैं मैं इसकी घोर निंदा करता हूं। हाईकोर्ट के निर्णय के बाद तो सब कुछ जगजाहिर हो चुका है। इसके बाद इन्हें माफी मांगना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि देश के कुछ राज्यों में घमंडिया गठबंधन की सरकार है और इन्होंने कुर्सी की खातिर सारी हदें पार कर दी है। कितनी बेशर्मी से ममता बनर्जी कह रही हैं कि हाईकोर्ट के फैसले को नहीं मानती। जनता सब जानती है जनता इसके बारे में फैसला करेगी। भाजपा शुरू से कहते हुए आई है ये वो मानसिकता है, जिसके कारण से देश का अतीत में बंटवारा हुआ। वर्ष 1947 में भी धर्म आधारित बात करने के कारण ही देश का बंटवारा हुआ था। अगर ऐसी ही बात होती रहेगी तो वापस यह बंटवारे के ही बीज बो रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अतीत में कांग्रेस की पीढ़ियां उसमें राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी, उनके पापा स्व. राजीव गांधी, उनके नाना जवाहरलाल नेहरू, उनकी मम्मी सोनिया गांधी जो यूपीए चेयरपर्सन रही हैं। अतीत में इनके द्वारा भी अन्याय हुआ है। अब राहुल गांधी इस बात को लेकर आ रहे हैं कि मैं उनकी लड़ाई लडूंगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को नमन करता हूं, जिसके आधार पर उन्होंने धर्म आधारित आरक्षण का विरोध किया था, लेकिन कांग्रेस और उनके घमंडिया गठबंधन के लोग तो बाबा साहब का भी विरोध करने वाले लोग हैं। इनके सारे गठबंधन से कांग्रेस के लोगों ने तो बाबा साहब का चित्र भी नहीं लगने दिया। यह सारे घमंडिया गठबंधन के लोग हैं यह केवल अपने स्वार्थों के कारण सरकार बनाना चाहते हैं। सरकार बनाने की बात दूर है, लेकिन ये देश में जहर घोलने का काम कर रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी को धन्यवाद देना चाहूंगा, जिन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का न केवल चित्र लगाया, बल्कि बाबा साहब की जन्मस्थली से लेकर उनसे जुड़े स्थानों को भी रेखांकित किया। वर्तमान में जिस प्रकार का समय चल रहा है जनता दूध का दूध पानी का पानी करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आजमगढ़ में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान भीषण गर्मी में भी लोगों का उत्साह एवं जोश देखने लायक था।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने होटल राजहंस का किया निरीक्षण

भोपाल । उपभोक्ता से शिकायत मिलने पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा घोड़ा नक्कास स्थित होटल राजहंस का निरीक्षण किया गया। किचन और स्टोर क्षेत्र में कीट आदि नहीं होना तथा होटल में नियमित रूप से कराया जाना पाया गया जो निर्धारित प्रावधानों के अनुपालन में है। शिकायत को दृष्टिगत होटल प्रबंधन को कीटों को दूर रखने के सभी उपायों को अपनाने के निर्देश दिए गए तथा मौके से अंकुरित अनाज, पनीर मसाला तथा मूंगफली दाना के नमूने लिये गये । जिनका परीक्षण राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल द्वारा किया जायेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कुणाल की सगाई भोपाल के जैन परिवार की बेटी के साथ हुई।

एक माह का निःशुल्क विशेष योग शिविर 21 मई सें 21 जून तक आयोजित

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को सामूहिक योग अभ्यास एवं सम्मान समारोह के साथ मनाया जायेगा। इसकी पूर्व तैयारी में एक माह का विशेष योग शिविर 21 मई से 21 जून तक प्रतिदिन सुबह 5 बजे से 8 बजे तक स्वर्ण जयंती पार्क में पानी के कुंड के पास एवं शाम को 6 बजे से 7:30 बजे तक इंडस गार्डन फेज एक में योग अभ्यास प्राकृतिक चिकित्सा, तनाव प्रबंधन का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसमें वरिष्ठ योगाचार्य डॉ. फूलचंद जैन, आरोग्य केंद्र के डॉ. रमेश टेवानी, मधुमेह विषेशज्ञ डॉ. नरेन्द्र भार्गव, ब्रह्मकुमारी किरण दीदी, योगाचार्य आई बी पंत, सहित गुरुजनों को प्रशिक्षण देने हेतु विशेष आमंत्रित किया जा रहा है।

शिव नगर नवनाथ मंदिर में भगवान गुरु गोरखनाथ का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

भोपाल। शिवनगर नवनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया इस अवसर पर विशाल भंडारा भी संपन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य रूप से महंत श्री बालक नाथ बाबा एवं गुरु गोरखनाथ विकास संगठन के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर राहुल जोगी एवं रंजीता जोगी एवं मंदिर के महंत पप्पू नाथ विशेष रूप से उपस्थित थे

धरती पर खिले फूलों ने दिया चन्द्रमा को नाम फ्लॉवर मून : सारिका घारू

भोपाल । विशाखा नक्षत्र में से आगे बढ़ने के बाद चंद्रमा सूरज ढलते ही पूर्वी आकाश में लालिमा के साथ एक बड़े गोले के रूप में उदित हुआ । प्रारंभ में कुछ स?थानों पर बादल बाधा बने उसके बाद जैसे जैसे आकाश में उपर आता गया इसकी चमक बढ़ती गई । नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने फोटो जारी करते हुए बताया कि बुद्धपूर्णिमा के चंद्रमा फ्लावर मून नाम दिया गया था । पृथ्वी से लगभग 3 लाख 90 हजार नो सौ 50 दूरी पर रहते हुए यह अपनी सौ प्रतिशत चमक के साथ चमक रहा था । वैशाख नक्षत्र में होने के कारण भारत में इसे वैशाखी पूर्णिमा नाम दिया गया तो पश्चिमी देशों में वहां इस समय खिलने वाले फूलों के आधार पर इसे फ्लावर मून नाम दिया गया । बुद्ध पूर्णिमा का यह चंद्रमा रात भर चांदनी बिखेरने के बाद सुबह सवेरे पश्चिम दिशा में अस्त हुआ ।

एम्स की डॉक्टर आकांक्षा चौधरी ने कैंसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों को नए-नए चैलेंज स्वीकार करने के लिए हमेशा प्रेरित करते रहते हैं। साथ ही नए शोध कार्यों के लिए भी प्रेरणा देते रहते हैं। उनके इसी प्रोत्साहन और समर्थन के कारण न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एम्स भोपाल के संकाय सदस्य और छात्रों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। हाल ही में एम्स भोपाल के मेडिकल ऑंकोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभाग की डॉक्टर आकांक्षा चौधरी ने बैंकॉक, थाईलैंड में कैंसर एवं स्तन कैंसर उपचार पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से अपना शोध प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन में विश्व के 18 से अधिक देशों के डॉक्टर ने भाग लिया। डॉक्टर आकांक्षा ने ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में पीडीएल-1 पर अपना शोध प्रस्तुत किया। भारत और वैश्विक स्तर पर महिलाओं में बाकी कैंसरों की अपेक्षा स्तन कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाता है। ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर कम उम्र की महिलाओं में अधिक पाया जाता है। जो तेजी से बढ़ते हुए फेफड़ों और कलेजे में फैल जाता है। इस कैंसर की आक्रामकता से कई युवा महिलाओं को जान का खतरा रहता है। पीडीएल-1 पर आधारित टारगेटेड दवाइयां अब एम्स भोपाल में उपलब्ध हैं जो कीमोथेरेपी के साथ कैंसर से निपटने में मरीज के लिए कारगर साबित होती है। डॉ आकांक्षा के इस शोध में लगभग 1000 मरीजों को शामिल किया गया था।

एम्स ने जिला अस्पताल विदिशा में अपनी सेवाएं दीं

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में जाकर वहां के निवासियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह का एक लक्ष्य है। उनका मानना है कि जब तक हम ग्रामीणों तक नहीं पहुंचेंगे ग्रामीण अंचलों तक नहीं पहुंचेंगे तब तक हम सही रूप में मानव की सेवा नहीं कर सकते। इसी सिलसिले में 21 मई को एम्स भोपाल के एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग की एक टीम ने डॉ. अल्पेश गोयल के नेतृत्व में नैदानिक देखभाल सेवा प्रदान की। डॉक्टरों ने मधुमेह, हाइपरथायरायडिज्म, हाइपोथायरायडिज्म और छोटे कद जैसी सामान्य अंत:स्रावी स्थितियों वाले 27 रोगियों को देखा। इस दौरान लोगों के केशिका रक्त शर्करा परीक्षण के अलावा मधुमेह और इंसुलिन से सम्बंधित शिक्षा दी गयी । उन्हें यह भी बताया गया कि स्थानीय रूप से उगाई जाने वाली और उपलब्ध सब्जियों और फलों का उपयोग करके किस तरह कम लागत में व्यंजन बनाए जा सकते हैं। मरीजों को उनकी चिकित्सा स्थितियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉयड विकार, कम वजन, मोटापा आदि के अनुसार आहार और शारीरिक गतिविधि के बारे में भी शिक्षित किया। सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग से डॉ. अनंथन और डॉ. सैयद आशीष ने एनसीडी रोगियों के लिए ओपीडी सेवाएं प्रदान कीं और रोगियों को आहार और जीवन शैली में बदलाव के बारे में भी सलाह दी। डेंगू और अन्य वेक्टर जनित रोगों के विभिन्न नियंत्रण और रोकथाम उपायों के बारे में उनके द्वारा एक स्वास्थ्य शिक्षा सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें 17 लाभार्थियों ने भाग लिया। कुल मिलाकर, 59 रोगियों को इस गतिविधि से लाभ हुआ।

स म्पा द की य

जिम्मेदारी बनाम औपचारिकता

चुनाव आयोग को लेकर आज जितने सवाल उठाए जा रहे हैं, उतने शायद ही पहले कभी उठाए गए हों। इस बार बड़ा सवाल उठा, उसके द्वारा करीब एक सप्ताह बाद बढ़ाए गए मतदान के आंकड़ों पर। सवाल लाजिमी है। इतने सालों से चुनाव ईवीएम से ही होता आ रहा है, लेकिन चौबीस घंटे से ज्यादा मतदान के आंकड़ों को एकत्र करके घोषित करने में नहीं लगे। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में भी उठाया गया है।

चुनाव आयोग की भूमिका क्या सही में संदिग्ध हो गई है? मतदान के आंकड़ों को लेकर जो चर्चा अब चल रही है, उसका सार तो यही है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि दूसरे दिन सुबह तक जो आंकड़े मतदान के आए हों, कुछ दिन बाद उसमें एक करोड़ वोट बढ़ जाएं। यानि सीधे-सीधे बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। आशंका पहले से ही थी, लेकिन अब साफ-साफ समझ में आ रहा है कि चुनाव आयोग के ये आंकड़े प्रायोजित हैं।

विपक्षी नेताओं के बयान तो स्वाभाविक रूप से आएंगे ही, आ रहे हैं, लेकिन आज उनकी सुनता कौन है। यहां लोकतंत्र जैसा कुछ बचा ही नहीं दिख रहा है। ले-देकर थोड़ी बहुत उम्मीद सुप्रीम कोर्ट से ही है। मीडिया की दुंदुभि तो सबको पता है। नब्बे प्रतिशत मीडिया विश्वास खो चुका है। आम जनता भले ही कुछ बोल नहीं रही, लेकिन समझ तो सब रही है। देखना होगा कि वोट बढ़ने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय का क्या नजरिया रहता है।

बात चुनाव आयोग की ही है, तो उसकी निगाह विपक्ष पर ही अधिक रहती है। स्वाभाविक है, लेकिन उसने चौंकाते हुए देश की दो सबसे बड़ी पार्टियों के अध्यक्षों को आचार संहिता के बाहर जाने के लिए चेताया है। आदेश पर और चाहे जो भी कहा जाए, उसके औचित्य पर सवाल नहीं किया जा सकता। चिंता की बात तो यह है कि सत्तारूढ़ दल और सबसे बड़े विपक्षी दल के नेतृत्व को यह समझाने की जरूरत पड़ रही है कि सांप्रदायिक भाषणों और संविधान की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले बयान नहीं दिए जाने चाहिए।

यह कोई नया मामला नहीं है। चुनाव आयोग ने एक महीने पहले ही शिकायत मिलने पर भाजपा और कांग्रेस के अध्यक्षों को नोटिस देकर आगाह किया था कि वे अपने स्टार प्रचारकों से भाषण के दौरान सावधानी बरतने को कहें। हालांकि तब आयोग के रेस्पॉन्स को कमजोर इस मायने में कहा गया था कि शिकायत तो पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के खिलाफ थी, लेकिन नोटिस सीधे इन दोनों नेताओं के बजाय पार्टी अध्यक्षों को भेजा गया।

चुनाव आयोग के अब तक के चलन को देखते हुए यह तरीका नया था। भाषण किसी और का, शिकायत किसी और की हो रही है और आयोग किसी और को नोटिस या समझाइश दे रहा है। लेकिन इसका हल तो कोई निकला ही नहीं। सवाल-जवाब के क्रम में समय बीतता रहा और अब जब चुनाव आयोग का आदेश आया है तो पांच चरणों की वोटिंग हो चुकी है और छठे चरण का प्रचार भी समाप्त हो चुका है। कुल मिलाकर सातवें और आखिरी चरण का प्रचार ही बचा है।

फिर भी, चुनाव आयोग ने शिकायतों पर जो स्टैंड लिया, उसमें गड़बड़ी नहीं थी। जिस तरह के तीखे सांप्रदायिक मुद्दे इस बार चुनाव प्रचार में छाए रहे, वे उचित नहीं कहे जा सकते। संविधान बदले जाने का जो आरोप विपक्ष ने जोर-शोर से उठाया उसके औचित्य पर भी सवाल उठने लाजिमी हैं। खासकर इसलिए कि संविधान में संशोधन शुरू से होते रहे हैं, लेकिन संविधान के बुनियादी ढांचे में कोई बदलाव नहीं हो सकता है, ऐसा सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार साबित किया है।

आयोग को इस अनुभव की रोशनी में भविष्य की अपनी कार्यशैली पर पुनर्विचार करना चाहिए।

और यही कारण है कि चुनाव आयोग सवालों के घेरे में बना हुआ है। का वर्षा जब कृषी सुखाने। यानि जब चुनाव पूरे होने को हैं, तब हम सावधान कर रहे हैं। इस बार नेताओं के बयान लगातार बदले हैं। सत्तापक्ष की तरफ से तो भाषा के स्तर को ध्यान में रखा ही नहीं गया, ऐसा लगता है। और चुनाव आयोग भी तभी जागता है, जब उसके पास शिकायतें पहुंचती हैं। फिर आपने जो पर्यवेक्षक और प्रभारी तैनात किए हैं, वो किस लिए हैं? यही नहीं, आयोग को अक्सर सत्तापक्ष की शिकायतों को गंभीरता से लेते देखा गया है। विपक्ष की शिकायतें दमदार होने के बावजूद उन पर कोई खास एक्शन लिया नहीं गया।

शायद यही कारण है कि आयोग ने दोनों प्रमुख पार्टियों को नोटिस देकर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर ली है। जो जिम्मेदारी आयोग की होना चाहिए, वो उन पार्टियों के अध्यक्षों से अपेक्षा कर रहे हैं। देखने वाली बात यह है कि पार्टियों के तमाम स्टार प्रचारक नेताओं का कद अध्यक्षों से कहीं बड़ा है। ऐसे में वो उन कद में बड़े नेताओं को क्या समझाइश दे पाएंगे, यह समझा जा सकता है। ऐसा लगता है, मानो चुनाव आयोग ने यहां भी खानापूर्ति कर दी, कि हमने तो बड़ी पार्टियों को फटकार लगाई, असर पड़े या न पड़े। तब तक चुनाव खत्म। जय राम जी की।

वैध हो जाने की वृत्ति बढ़ाती, अवैध करने की प्रवृत्ति

सरयूसुत मिश्रा

क्या ऐसा कहा जा सकता है, कि अवैध काम करने की प्रवृत्ति गवर्नेंस ही बढ़ाती है. बहुमत की जुगाड़ में अवैध को भी वैध बनाने की राजनीतिक सोच अंततः किसको फायदा और किसको नुकसान पहुंचती है. रोटी, कपड़ा और मकान हर इंसान का लक्ष्य और संघर्ष है. सब मकान बनाने की जद्दोजहद में लगे रहते हैं. क्रय शक्ति के अभाव में मकान का सपना पूरा करने के लिए इंसान ऐसे कॉलोनाइजर के कुचक्र में फंस जाता है, कि अवैध कॉलोनी में भी रहने के लिए मजबूर हो जाता है.

कॉलोनाइजर बिना वैधानिक प्रक्रिया पूरी किए और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किए कॉलोनियां बनाकर लोगों को ठग लेते हैं. रहवासी पैसे खर्च करके भी कष्टपूर्ण जीवन गुजारता है. यहीं से राजनीति शुरू होती है. अवैध कॉलोनी के निवासियों को राहत देने के नाम पर अवैध कॉलोनी को वैध बनाने का फरमान शुरु होता है. यह केवल मध्य प्रदेश का विषय नहीं है, लगभग पूरे देश में ऐसे ही हालात हैं.

मध्य प्रदेश में तो पिछले विधानसभा चुनाव के पहले अवैध कलानियों के नियमितीकरण का कानून बनाया गया. नियमितीकरण की प्रक्रिया भी शुरु की गई, लेकिन बीच में रुक गई. नई सरकार के गठन के बाद ऐसी सुगबुगाहट शुरू हुई है, कि अवैध कॉलोनी को वैध नहीं बनाया जाएगा, बल्कि अवैध काम करने वाले कॉलोनाइजर को दंडित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव अगर अवैध कॉलोनियों के मामले में ऐसा रुख अपना रहे हैं, तो निश्चित रूप से शहरों के सुनियोजित विकास, बेहतर बुनियादी सुविधाओं और बेहतर पर्यावरण बनाने की दिशा में यह बहुत बड़ा कदम होगा. गवर्नेंस की यह शैली केवल एक मामले में प्रभावकारी नहीं रहेगी, बल्कि हर सेक्टर में अवैध काम करके मोटी रकम कमाने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी. गलत काम करने वाला दंडित होगा. इसका भय ऐसी ताकतों को अवैध काम करने से रोकेगा. सिस्टम में भ्रष्टाचार भी रुकेगा.

जिस तरह से कर्ज माफी ने सरकारों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ तोड़ दी है, इसी तरह से अवैध कॉलोनी को वैध बनाकर नियमित करने के सरकारी प्रयास बेहतर शहरों के सपने को मौत के घाट उतार देंगे. शहरों में बुनियादी सुविधाओं और नागरिकों के लिए कॉलोनी विकास के कामों को राजनीति के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए. इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही समाधान किया जाना चाहिए. पूरा सरकारी सिस्टम जिस पर गलत काम रोकने की जिम्मेदारी है, वही जाने-अनजाने गलत काम को अंजाम तक पहुंचाने का टूल बन जाता है.

राजनीतिक कारणों से सरकारें बहुमत पाने के चक्कर में ऐसे गलत कामों को वैधता देने में भी संकोच नहीं करतीं. शहर को झुग्गी मुक्त बनाने के लिए करोड़ों रुपए की योजनाएं लागू हुई हैं. लेकिन शहर के किसी भी कोने में झुग्गियों में कोई कमी नहीं आई है. झुग्गियों के स्थान पर पक्के मकान बनाने की योजनाओं के अंतर्गत बड़े-बड़े भवन बने. झुग्गी वालों को इसके पट्टे भी दिए गए, उस पर कब्ज़ा भी दिया गया. लेकिन झुग्गियां फिर भी कम नहीं हुईं.

एक ही दल की सरकार में अवैध कॉलोनी को नियमित करने को लेकर दो विचार सामने आए हैं. पूर्व के मुख्यमंत्री ने अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण की घोषणा की थी. कानून भी बनाए थे. अब नए मुख्यमंत्री मोहन यादव इसके विपरीत अवैध कॉलोनी को नियमित करने को उचित नहीं मान रहे हैं. किसी भी अवैध काम को वैध करने का विचार कभी भी उचित नहीं हो सकता. जब तक कि नियम प्रक्रियाओं का पूरा पालन किया जाए. जिसने भी गलत काम किया है, उसे दंड ना दिया जाए. डॉ. मोहन यादव को इस बात के लिए साधुवाद दिया जाना चाहिए कि वह अस्तित्व के सिद्धांत का पालन कर रहे हैं.

अवैध कॉलोनी के निर्माण को सख्ती के साथ रोका जाना चाहिए, जो कॉलोनी पहले से बन गई हैं, उनमें बुनियादी सुविधाओं का विकास करना चाहिए. इसके लिए इन अवैध कॉलोनियों के निर्माता कॉलोनाइजर्स पर दंड निरूपित करना चाहिए. इन कॉलोनियों में जो भी रिक्त प्लॉट हों उनका सरकार अधिग्रहण करे और उनसे जो धनराशि प्राप्त हो, उससे बुनियादी विकास का काम पूरा करे.

मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री की विकास की दृष्टि सैद्धांतिक से ज्यादा प्रैक्टिकल लग रही है. जब से उन्होंने मुख्यमंत्री का पद संभाला है, तब से कई ऐसी बाधाओं को हटाया है, जिनके कारण लोगों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था. राजधानी भोपाल में क्क्क्क्क्क्क को हटाने का चुनौतीपूर्ण निर्णय डॉ. मोहन यादव द्वारा ही लिया जा सकता है. क्क्क्क्क्क्क खत्म होने से भोपाल के लोगों को बड़ी राहत मिली है. इसी तरीके से रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की प्रक्रिया को भी कनेक्ट कर दिया गया है.

अक्सर सरकारों में ऐसा देखा जाता है, कि निर्णायक स्तर पर बिना तार्किक कारणों के निजी कारणों से कई बार ऐसे फैसले लिए जाते हैं, जिनके बहुत दूरगामी दुष्प्रभाव शहर और समाज पर पड़ते हैं. फैसले लेते समय समाज की जरूरत और समाज का हित ही सर्वोपरि होना चाहिए. नीतियां और योजनाएं बनाने का आधार केवल जनहित होना चाहिए.

शहरों में कॉलोनियों का विकास और लोगों को घर उपलब्ध कराने की संपूर्ण प्रक्रिया गवर्नेंस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है. इसके लिए कानून-कायदे बने हुए हैं, लेकिन फिर भी कॉलोनियों के निर्माण में गड़बड़ियां और सिस्टम के साथ मिलकर लोगों के साथ धोखाधड़ी एक आम बात हो गई है.

किसी भी कॉलोनी में जरूरी बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं. कॉलोनाइज़र, बिल्डर मकान और प्लॉट बेचते समय जो वायदे करते हैं, वह भी अंत में पूरे नहीं होते हैं. रहवासी मजबूर बना रहता है. पिछले सालों में रहवासियों के हित में कदम तो उठाए गए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कोई खास बदलाव नहीं आया है.

रेरा जैसी संस्थाएं भी जमीन पर अपनी उपयोगिता साबित नहीं कर पा रही हैं. कॉलोनी निर्माण में लगी निजी और सरकारी क्षेत्र की संस्थाएं और पूरा सिस्टम अजीब सी खुशी और ग़म में जीवन गुजरता है. यह क्षेत्र सबसे ज्यादा कमाई का क्षेत्र कहा जा सकता है. इस क्षेत्र में जिसने भी शोषण किया है,अंततः वह भी शोषण का ही शिकार होता दिखाई पड़ता है.

ऐसा लगता है अवैध कॉलोनी के रहवासियों का दर्द मोहन यादव समझते हैं. इसीलिए अपनी पार्टी की पुरानी सरकार के अवैध कॉलोनी के नियमितीकरण के फैसले को बदलने का साहस कर पा रहे हैं. गवर्नेंस में इस तरह का प्रैक्टिकल अप्रोच अगर चलता रहा, तो डॉ. मोहन यादव की सरकार वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान करने में सफल हो सकती है.

पीएम नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव की अनेक बार तारीफ कर चुके हैं. बीआरटीएस तोड़कर और अवैध कॉलोनियों के मामले में फैसले को पलट कर मुख्यमंत्री ने साबित किया है, कि उनकी दृष्टि जमीन पर है. जमीन की समस्याओं पर उनकी पकड़ और नजर है. और जमीन की समस्याओं के समाधान का उनका प्रैक्टिकल नज़रिया है. अवैध कॉलोनाइजर और इसके लिए दोषी अफसर दंडित होंगे, तो मध्य प्रदेश सरकार महिमामंडित होगी.

यहाँ फ़ैसला - शून्य सहिष्णुता होना था

-राकेश दुबे

एक घटना - पुणे में अमीर बाप के बिगड़ैल अल्पवयस्क बेटे ने शराब के नशे में दो युवा इंजीनियरों को रौंदने के बाद जिस तरह आनन-फानन में जमानत हासिल की, उसने तमाम सवालों को भी जन्म दिया है । दुर्घटना की त्रासदी,इन सवालों की जड़ में न्यायिक विवेक भी आ गया है।

दुस्साहस देखिये कि दो करोड़ रुपये से अधिक महंगी विदेशी कार को सड़क पर यह किशोर दो सौ किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ा रहा था। उस धनी बाप के नशेड़ी बेटे को पुणे की सड़कों में रोकने वाला कोई नहीं था। उसने कई जगह दोस्तों के साथ शराब पार्टियां निबटाने के बाद अपनी पोर्श कार को इतनी अनियंत्रित गति से दौड़ाया कि मोटरसाइकिल सवार दो इंजीनियरों को मौत की नींद सुला दिया। संयोग से दोनों इंजीनियर मध्यप्रदेश के ही थे।

इस मामले में सोशल मीडिया पर आक्रोश का लावा तब फूटा जब 17 साल कुछ महीनों की उम्र वाले अभियुक्त को किशोर होने के नाते कुछ ही घंटों में जमानत दे दी गई। दो परिवारों के उम्मीदों के चिराग बुझ गए और किशोर न्यायालय ने अभियुक्त को कुछ निर्देश देकर ही छोड़ दिया ।

यह विषय रोष का विषय बना रहा है कि किशोर न्याय बोर्ड ने जमानत देते वक्त उसे महज दुर्घटना पर निबंध लिखने, 15 दिन तक ट्रैफिक पुलिस के साथ काम करने तथा मनोचिकित्सक से शराब की लत का इलाज कराने को कहा। इन शर्तों को सुनकर सोशल मीडिया पर गंभीर अपराधों में लिप्त किशोरों को वयस्कों की तरह दंड देने की मांग तेज हुई। फिर जब इस मामले में राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज हुई तो अभियुक्त किशोर के अरबपति बिल्डर पिता और नाबालिगों को शराब परोसने वाले होटल के अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। सामाजिक जागरूकता की पहल रंग लायी और चुनावी माहौल में तुरत-फुरत कार्रवाई हुई। मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री की सख्त कार्रवाई के निर्देश से लोगों में सकारात्मक संदेश गया। साथ ही पीड़ित पक्ष में भी विश्वास जगा कि कानून काम करता है चाहे आरोपी कितना भी ताकतवर क्यों न हो। निस्संदेह, ऐसे मामलों में अभियुक्तों के साथ शून्य सहिष्णुता का संदेश जाना ही चाहिए।

इस घातक दुर्घटना के बाद सार्वजनिक विमर्श में यह सवाल फिर उठा कि गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता होने पर वयस्कों के कानून के हिसाब से उन्हें सजा क्यों नहीं मिलती? सवाल यह है कि धनाढ्य बिल्डर ने क्यों किशोर पुत्र को बिना लाइसेंस के कार चलाने की अनुमति दी? क्यों बेटे को शराब पार्टी करने की इजाजत दी? क्यों होटल वालों ने किशोरों को शराब पीने की सुविधा दी? जब किशोर ने बार-बार जानबूझकर तमाम कानूनों का उल्लंघन किया तो उसे सामान्य कानून के तहत दंडित क्यों नहीं किया जाना चाहिए?

इसके बाद नये सिरे से किशोर न्याय अधिनियम में सुधार की बहस तेज हुई है। एक गंभीर आपराधिक घटना के बाद किशोर न्याय बोर्ड द्वारा किशोर को मामूली परामर्श के बाद छोड़ना भी विवाद का विषय बना है।

सामाजिक व राजनीतिक दबाव के बाद पुणे पुलिस द्वारा की गई तुरंत कार्रवाई समय की जरूरत थी। जो कालांतर भविष्य में ऐसी त्रासदियों को टालने में मददगार हो सकती है। अपराध के अनुपात में दंड का निर्धारण किया जाना चाहिए।

देश के विभिन्न भागों में भी किशोरों द्वारा तेज रफ्तार वाहन चलाने के तमाम मामले प्रकाश में आते रहते हैं, जिसमें खतरनाक ड्राइविंग के चलते कई किशोरों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। ये घटनाएं यातायात कानूनों को सख्ती से लागू करने और किशोर अपराधियों को दंडित करने के लिये कानूनी ढांचे की समीक्षा की आवश्यकता पर बल देती हैं। निस्संदेह, देश की न्यायिक प्रणाली को इस तरह के मामलों में उचित प्रतिक्रिया देनी चाहिए। सही मायनों में अपराधी की उम्र की परवाह किये बिना ऐसे घातक कृत्यों में कड़े दंड के जरिये मिसाल कायम की जानी चाहिए। इससे जहां जनता का विश्वास बहाल होगा,वहीं हमारी सड़कों पर किशोरों की लापरवाह ड्राइविंग से होने वाली मौतों को भी रोका जा सकेगा। निश्चित रूप से इससे दुर्घटनाओं में मारे लोगों के परिजनों को भी न्याय मिल सकेगा।

इब्राहिम रईसी को यूं ही नहीं कहा गया था तेहरान का कसाई

डॉक्टर ब्रह्मदीप अलूने

इतिहास कभी किसी को माफ नहीं करता और कम से कम ईरान के मरहूम राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को तो कभी भी नहीं। रईसी ने अपने जीवनकाल में हिजाब पहनों नहीं तो हम तुम्हारे सिर पर मुक्का मारेंगे, मुसलमान हो या मार्क्सवादी, राजनीतिक विरोधियों का अंत अल्लाह की इच्छा है जैसे नारे गढ़े और कानून का बेजा इस्तेमाल कर हजारों लोगों को मौत की नींद सुला दिया। साल 1979 की ईरान की इस्लामिक क्रांति के केंद्र में अयातुल्ला रुहोल्ला ख़ामेनई का नाम आता है लेकिन देश को धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक विरोधियों के प्रति क्रूरता और महिलाओं के प्रति निर्ममता की नीतियों का निर्माता इब्राहिम रईसी को समझा जाता है। इब्राहिम रईसी अपने देश में इतने बदनाम रहे हैं कि उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने हजारों लोगों को फांसी देकर ईरान के युवाओं की एक पीढ़ी को ही खत्म कर दिया। यही नहीं रईसी ने राजनीतिक कार्यकर्ताओं की एक पीढ़ी को खत्म कर दिया जो संभवतः सत्ता का विरोध कर सकते थे।

साल 1980 के दशक की शुरुआत में ईरान में हजारों युवाओं पर मुक़दमा चलाया गया और उन्हें जेल की सजा सुनाई गई। कई पत्रकार, उत्साही और लोकतंत्र के समर्थक, पेपर बांटने वाले हॉकर, प्रदर्शनों में भाग लेने या कैदियों के परिवारों के लिए धन इकट्ठा करने वालों को गंभीर अपराधी बताया गया और जेल में डाल दिया गया। गिरफ्तारी के समय कई किशोर या बीस वर्ष की आयु के छात्र थे। ईरान का कानून वेलायत-ए-फकीह शियावाद के उस सिद्धांत पर चलता है जिसके अनुसार एक प्रमुख शिया मौलवी को नए गणराज्य का नेतृत्व करना चाहिए। इस सिद्धांत के बूते अयातोल्ला रुहोल्ला ख़ामेनई कई दशकों से देश के सर्वोच्च नेता बने हुए है और उनकी स्वीकार्यता को बनाएं रखने के लिए इब्राहिम रईसी ने इस्लामिक कानून के नाम पर विरोधियों का जो उत्पीड़न और अपराध किए, वह मानवता पर कलंक है।

खामनेई ने रईसी को आगे बढ़ाया

अपनी युवा अवस्था में पश्चिमी देशों से समर्थित मोहम्मद रेज़ा शाह को सत्ता से बेदखल करने और धार्मिक अतिवाद फैलाने की इब्राहिम रईसी की प्रतिभा से प्रभावित होकर खामनेई ने उन्हें महा अभियोजक बना दिया था। वे ईरान की उस डेथ कमेटी में प्रभावी बन गए जिन्होंने कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने के लिए किया। साल 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध में सुन्नी, कुर्द और वामपंथी विचारधारा को देश के खिलाफ अपराध बताया गया। इसे ईरान में शियावाद को स्थापित करने का अवसर बना दिया गया। देश के सबसे बड़े धार्मिक गुरु अयातुल्ला रुहोल्ला खुमैनी ने एक फतवा जारी कर आदेश दिया कि विपक्ष के समर्थन में दृढ़ रहने वाले और अल?लाह के विरुद्ध युद्ध छेड़ने वाले सभी कैदियों को फांसी की सज़ा दी जाए। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि कैदियों को फांसी देने के निर्णय अत्यधिक मनमाने थे। जेल में सजा पूरी कर चुके और रिहाई के हकदार हजारों पुरुषों और महिलाओं को फांसी पर लटका दिया गया।

खुमैनी के उत्तराधिकारी और लंबे समय तक उनके शिष्य रहे अयातुल्ला अली मोंटेज़ेरी ने सामूहिक फांसी की घटनाओं को इस्लामिक गणराज्य के इतिहास में सबसे बड़ा अपराध बताते हुए कहा कि हत्या करके विचारधारा के खिलाफ लड़ना पूरी तरह गलत है। नरसंहार और राजनीतिक उत्पीड़न को लेकर खुमैनी के साथ तनातनी और राजनीतिक उत्पीड़न के दबाव में अंततः मार्च 1989 में मोंटेज़ेरी को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया गया था। वहीं इब्राहिम रईसी ने इसे अल?लाह के आदेश का पालन करने पर गर्व जैसा बताया। 21 जून 2021 को निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में इब्राहिम रईसी ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरसंहार को प्रशंसनीय और न्याय के लिए जरूरी बताकर यह संदेश देने की कोशिश की थी कि वे भविष्य में भी सुधार पसंद करने वाले इरानियों को कुचलने से परहेज नहीं करेंगे। राष्ट्रपति के रूप में रईसी ने राजनीतिक हत्याओं पर कोई अफसोस जताने से परहेज करते हुए अपने कृत्यों का बचाव किया और कहा कि मुझे अब तक रहे हर पद पर मानवाधिकारों की रक्षा करने पर गर्व है। साल 1988 के बाद से, मानवाधिकार समूहों, पश्चिमी सरकारों और संयुक्त राष्ट्र ने बार बार नरसंहार की निंदा की है और रईसी की भूमिका की जांच की मांग की लेकिन ईरान ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया।

ईरान में विरोधियों को मौत के घाट उतारा गया

इब्राहिम रईसी के शिकार कैदियों के परिजन भी हुए। राजनीतिक कैदियों से पारिवारिक मुलाकातें निलंबित कर दी गईं और उन्हें फांसी की कोई जानकारी कभी नहीं दी गई। रिश्तेदार नियमित मुलाक़ात के दिनों में जेल जाते थे लेकिन जेल प्रहरियों द्वारा उन्हें लौटा दिया जाता था। कुछ लोग जेलों में कपड़े, दवाइयां या पैसे इस उम्मीद से लाते थे कि उन्हें अपने कैद रिश्तेदारों से एक हस्ताक्षरित रसीद मिल जाएगी जो यह संकेत देगी कि वे अभी भी जीवित हैं। फांसी के शिकार लोगों को सामूहिक कब्रों में दफनाया गया और परिजनों को उनकी कब्रों को लेकर भी कुछ नहीं बताया गया। बाद में यह आदेश दिया गया की अंतिम संस्कार या कोई अन्य शोक समारोह आयोजित नहीं करेंगे। इब्राहिम रईसी कहते थे कि जो अल्लाह से युद्ध करते हैं, उन पर दया दिखाना मूर्खतापूर्ण है। साल 1999 में मानवाधिकार पर आधारित एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे अपराधों के लिए जिन लोगों को फांसी दी गई, उनमें से कई वास्तव में राजनीतिक असंतुष्ट थे।

यही नहीं सामूहिक कब्रों की वास्तविक संख्या छिपाई गई और ईरानी अधिकारियों ने अवशेषों के स्थान को छिपाने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दफन रजिस्टरों से अधिकांश पीड़ितों के नामों को भी बाहर कर दिया। इब्राहिम रईसी राष्ट्रपति बने तो हिजाब को लेकर सख्त पाबंदी के चलते देश भर से खूब विरोध प्रदर्शन हुए। नैतिकता पुलिस ने कई महिलाओं को कोड़े से मारने की सजा दी। सैकड़ों महिलायें मारी गईं। इब्राहिम रईसी की मौत के बाद ईरान में सड़कों पर रईसी के सम्मान में सहज रूप से बड़ी संख्या में भीड़ नहीं जुटी। तमाम प्रतिबंधों के बाद भी लोगों ने रईसी पर तंज़ किए और खुशी का इजहार भी किया। कहते हैं कि तानाशाहों की मौत पर सरकारी मातम होते हैं और खुशियां दिल में होती हैं। इरानियों का हाल कुछ ऐसा ही है। लोगों के मन में रईसी के कृत्यों लिए बहुत गुस्सा और असहनीय दर्द है और इससे ईरान में मानवाधिकारों की रक्षा की उम्मीद भी बढ़ी होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बस स्टैंड को पुरानी जगह से नई जगह पर शिफ्ट करने के मामले में विवाद शुरू

कांग्रेस पार्टी हुई आक्रामक, पुरानी जगह से ही बसों का संचालन करने की रखी मांग

सागर। प्रशासन द्वारा बस स्टैंड को पुरानी जगह से नई जगह पर शिफ्ट करने के मामले में विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस पार्टी ने इस मामले में आक्रामक होते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर पुरानी जगह से ही बसों का संचालन जारी रखने की मांग की है। इस संबंध में शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी ने पूर्व निगम अध्यक्ष त्रिलोकीनाथ कटारे, पूर्व विधायक सुनील जैन आदि वरिष्ठ नेताओं के साथ कलेक्टर दीपक आर्य से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने बस स्टैंड के स्थानांतरित होने से पूरे जिले की आम जनता को हो रही परेशानियों पर कलेक्टर का ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि शहर और जिले की आम जनता एवं यात्री प्रशासन के इस एक तरफा निर्णय से परेशान हो रहे हैं। शहर से आसपास के कस्बों के लिए बस पकड़ने के लिए दूर दराज बने इन नए बस स्टैंड तक पहुंचने में बस किराए से कई गुना ज्यादा किराया ऑटो टैक्सी में देना पड़ रहा है।

शहर की बसाहट से काफी दूर बने इन बस स्टैंड पर रात के समय आने जाने में रास्ते में यात्रियों को लुटने व अपराधिक घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसके अलावा रात 12 से सुबह 5 बजे तक बस स्टैंड से शहर आने- जाने में यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। शहर के अंदर के बस रूट में सिविल लाइंस से पुरानी तहसील होते हुए तिली चौराहे तक की घनी बस्ती व बाजार तथा कॉलेज के रास्ते में बेलगाम दौड़ती बसों से दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी ने कहा कि भोपाल- जबलपुर जैसे शहरों में नए बस स्टैंड शुरू किए जाने के बावजूद पुराने स्टैंड से भी बस का परिचालन किया जा रहा है। लेकिन सागर में भाजपा जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के इस एकतरफा निर्णय से जनता में भारी गुस्सा है।

पूर्व निगम अध्यक्ष त्रिलोकीनाथ कटारे ने कहा कि भाजपा शासित जनप्रतिनिधियों के उक्त तुगलकी निर्णय से जनता के प्रति उनकी शोषणकारी मानसिकता उजागर होती है। चुनाव के समय यही जनप्रतिनिधि याचक बनकर जनता के सामने आते हैं और चुनाव होते ही शोषक बन जाते हैं। वहीं पूर्व विधायक सुनील जैन ने कहा कि सामान्य रूप से बस स्टैंड शहर व रेलवे स्टेशन के पास ही होते हैं, लेकिन यहां पर नया बस स्टैंड शहर से 10 किलोमीटर दूर बनाना किसी भी तरह से उचित नहीं है। इस निर्णय से पुराने बस स्टैंड के आसपास छोटा-मोटा कारोबार व मजदूरी करने वाले करीब 5 हजार लोग रोजगार के अभाव में रोजी रोटी को मोहताज हो गए हैं।

प्रतिनिधि मंडल ने सवाल उठाए हैं कि पुराने बस स्टैंड को पूरी तरह से बंद कर देने के बाद डॉ. हरिसिंह गौर बस स्टैंड की जगह खाली होने पर इसको किसे और किन शर्तों पर दिया जाएगा? इस जगह का क्या उपयोग होगा? और उसमें बने भवन की कीमत का क्या होगा? इसके अलावा प्राइवेट बस ऑपरेटर्स ने अपने संसाधनों से बस स्टैंड के विकास में जो धनराशि खर्च की है उनकी भरपाई कौन करेगा तथा प्राइवेट बस ऑपरेटर को दी गई लीज का क्या होगा।

प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि जबलपुर, छतरपुर एवं नरसिंहपुर रोड पर जाने वाली बसों का संचालन पुराने बस स्टैंड से ही होना चाहिए तथा यहां बचने वाली शेष जमीन को शासकीय कन्या महाविद्यालय को आवंटित कर महाविद्यालय का विस्तार कर पूर्व में दो भागों में बांटकर किया गया इसका विखंडन समाप्त किया जाए ताकि भविष्य में कन्या विश्वविद्यालय खोलने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

प्रतिनिधि मंडल ने पुराने बस स्टैंड को संपूर्ण रूप से नई जगह पर शिफ्ट किए जाने के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग करते हुए पुराने बस स्टैंड का अस्तित्व बनाए रखने की मांग की है। इस संबंध में शीघ्र निर्णय नहीं होने पर भाजपा जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जिले भर में जन आंदोलन प्रारंभ कर भाजपा सरकार और जनप्रतिनिधियों का विरोध किया जाएगा।

आबकारी की अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही 24 पेटी देशी-विदेशी मदिर जप्त

धार। कलेक्टर जिला धार प्रियंक मिश्र के निर्देशन में, सहायक आबकारी आयुक्त धार श्री विक्रमदीप सांगर के मार्गदर्शन मैं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु सहायक जिला आबकारी अधिकारी आनंद डंडीर तथा आबकारी उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह चौहान की टीम द्वारा आबकारी वृत्त गंधवानी के ग्राम सोनगांव निवासी संतोष पिता सखाराम मालवी रहवासी मकान तत्काल दबिश दी गई और मौके से 03पेटी 22 नग देशी मदिरा प्लेन,09पेटी बोल्ट केन बियर, 01 पेटी 04 नग बोल्ट कांच बियर, 02 पेटी गोवा ,09 पेटी 14 नग लंदन प्राइड व्हिस्की मदिरा की कुल मात्रा 247.68 ब. ली. मदिरा बरामद कर मौके से आरोपी संतोष पिता सखाराम मालवीय निवासी सोन गांव को को गिरफ्तार किया गया के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क),34(2) के अंतर्गत अपराध पंजीकृत का विवेचना में लिया गया जप्त शराब की कुल संयुक्त अनुमानित कीमत लगभग रु 131840/- है।

श्री कृष्ण कथा के श्रवण मात्र से जीवन के आधे पाप कम हो जाते हैं

औबेदुल्लागंज संवाददाता- ग्राम मेंदुआ में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन रुखमणी कृष्ण विवाह तथा शिशुपाल वध का वर्णन कथा वाचक कुमारी कनिष्क भारती (करनाल हरियाणा) के मुख बिंदु से कथा सुनाई गई। सभी क्षेत्र वासियो के द्वारा अधिक से अधिक संख्या में आकर कथा का श्रवण किया जा रहा है। लोधा लोवंशी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं श्री लोधा क्षत्रिय समाज संगठन भोजपुर अध्यक्ष गोविन्द सिंह लोवंशी एवं लोधा समाज जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र लोवंशी (मेंदुआ) एवं उनके सहयोगी वरिष्ठ समाजसेवी बालाप्रसाद लोवंशी, उमेश लोवंशी (हाजली), दिनेश मांडली, रामस्वरूप लोवंशी, नरेन्द्र लोवंशी, एवं उपस्थिति सभी अतिथियों के द्वारा तिलक चंदन से कथा वाचक जी का स्वागत किया गया। एवं जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र लोवंशी के द्वारा कथा मे आए सभी वरिष्ठ जनो, माता बहनो का आभार व्यक्त किया गया। और बताया गया कि श्री कृष्ण कथा के श्रवण मात्र से जीवन के आधे पाप कम हो जाते हैं एवं श्रीकृष्ण कथा के द्वारा व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में आगे बढने का मार्ग प्रशस्त करता है।

आईटीआई में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन 10 जून तक

औबेदुल्लागंज।-मध्यप्रदेश के साथ ही रायसेन जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में विभिन्न व्यावसायिक पाठयक्रमों में प्रवेश हेतु पंजीयन प्रारंभ हैं। प्रवेश हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 10 जून 2024 तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी इंटरनेट के माध्यम से अपने स्तर पर अथवा ऑनलाईन सहायता केन्द्रों के माध्यम से विभाग के पोर्टल 222.स्त्रह्यस्त्र.द्बश्च.द्दश्1.द्बठ्ठ पर 10 जून 2024 तक पंजीयन एवं च्वाईस फिलिंग करा सकते हैं। आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने हेतु पंजीयन एवं च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है। समस्त इच्छुक आवेदक पोर्टल पर पंजीयन एवं च्वाईस फिलिंग अवश्य करें। रायसेन जिले में संचालित 06 शासकीय आईटीआई रायसेन, मंडीदीप, देवरी, गैरतगंज, बेगमगंज एवं सिलवानी में विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदाय किया जाता है। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी ष्ठस्ष्ठ पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिये नजदीकी शासकीय आईटीआई से संपर्क कर सकते है।

पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें : डॉ. सिडाना

मंडला--लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत संसदीय क्षेत्र के बिछिया, निवास तथा मंडला विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना 04 जून 2024 को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मंडला में संपन्न होगी। इस संबंध में रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गणना सुपरवाइजर, गणना सहायक एवं माइक्रो ऑबजर्वर को ईव्हीएम मशीन एवं पोस्टल बैलेट से मतगणना संबंधी प्रशिक्षण की बैठक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि ईव्हीएम और पोस्टल बैलट की गणना प्रक्रिया के दिशा निर्देशों को अच्छे से समझे। किसी भी प्रकार की शंका और जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त करें। उन्होंने मतगणना के दौरान गोपनीयता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। गणना कार्य में जल्दबाजी न करें। ईव्हीएम को चैक करके ही गणना के लिए उसकी सील खोलें। इसी प्रकार डाक मतपत्र को निरस्त करते समय कारण अनिवार्य रूप से स्पष्ट करें। प्रशिक्षण में कुशल प्रशिक्षकों द्वारा डमी ईव्हीएम एवं पीपीटी के माध्यम से मतगणना संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्तिकेय चौहान का मनाया जन्मदिन

विदिशा। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान के जन्मदिवस पर पिछले कई सालों की तरह इस बार भी विधायक मुकेश टंडन के पुत्र सौरभ टंडन और गौरव टंडन ने ढोलखेड़ी गांव पहुंचकर जरूरतमंद गरीबों को राशन किट वितरित की और कार्तिकेय चौहान की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना ईश्वर से की।

समर्पण निधि संग्रह अभियान का जिले के प्रत्येक मंडल में शुभारंभ हुआ

कार्यकर्ताओं की सामूहिक शक्ति के आधार पर समर्पण निधि संग्रह अभियान सफल होगा: श्याम नायक

धार। समर्पण निधि संग्रह अभियान को कार्यकर्ता मेहनत से करेंगे पूरा हमें पूरा विश्वास है कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम के बल पर जिले में 23 मई से 25 मई तक चलने वाला समर्पण निधि का विशेष अभियान जिले के प्रत्येक मंडल में चलाया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी अन्य राजनीतिक दलों से इसलिए अलग है, क्योंकि विचार और संगठन के विस्तार के लिए हमारे कार्यकर्ता ही रीति - नीति तयं करते हैं। पार्टी जो भी अभियान प्रारंभ करती है उसे सफल बनाने में पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सामूहिकता के साथ पूरी जी-जान से जुट जाता है। कार्यकर्ताओं की इसी सामूहिक शक्ति के आधार पर समर्पण निधि संग्रह अभियान सफल होगा। यह बात भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री श्याम नायक ने बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में नगर मंडल की कामकाजी बैठक में कही।

बैठक शुभारंभ भारतमाता पितृ पुरुष पं. दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुआ। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय, पूर्व जिला महामंत्री श्याम नायक, जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, आजीवन सहयोग निधि जिला प्रभारी दीपक शर्मा, आजीवन सहयोग निधि विधानसभा सह प्रभारी मोहित तातेड़, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर, मनीष प्रधान,कैलाश पिपलोदिया मंचासीन रहे।

अभियान जिला प्रभारी दीपक शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है हम सभी कार्यकर्ताओं के बल पर और समर्पण भाव से ही आज भाजपा देश और दुनिया का की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, आजीवन सहयोग निधि हम सभी कार्यकर्ताओं का वर्ष में एक बार अर्थ रूपी समर्पण है । समर्पण निधि संग्रह अभियान में प्रत्येक कार्यकर्ता का ज्यादा से ज्यादा योगदान हो ओर संगठन के हर एक कार्यकर्ता के मन में यह भाव हो की यह मेरी पार्टी हैं।

भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता तन मन के साथ-साथ धन से भी समर्पित होकर सहयोग करना आजीवन सहयोग निधि अभियान हैं उन्होंने आजीवन सहयोग निधि में सभी कार्यकर्ताओं की सहभागिता होकर अपने लक्ष्य को पूरा करने हेतु आग्रह किया ।

मंडल कामकाजी बैठक में मंडल महामंत्री राजेश डाबी जयराज देवड़ा और सन्नी होड़ा सहित मंडल पदाधिकारी व राजेश हारोड़, राकेश दुर्गेश्वर, हुकुम लश्करी, सोनिया राठौर, गौरव जाट, अंकित भावसार, दीपेंद्र ठाकुर, आशुतोष विजयवर्गीय, देवेंद्र रावल, नमन रावल, लक्ष्मीनारायण नायक, सुरेश प्रजापत, नरेंद्र राठौर, देवांग पंवार, अजय राठौर, अतुल फकीरा, अमित शर्मा, अभय वसुनिया, दिनेश पटेल, नितिन चौहान, सोनू ठाकुर, प्रज्ञा ठाकुर, अनुसूईया वैष्णव, विष्णु राठौर, समीर बैग, शफीक जमा खान, कमलेश बिजवा, महेश कदम, प्रतिभा शर्मा, पंकज जाधव, हरीश आर्य, अनिता बौरासी, अनिल राठौर, शशिकांत भालेराव, अमरसिंह चावड़ा, कन्हैया ठाकुर आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे । उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

संस्कृत संस्कार शिविर का समापन

विदिशा। विद्युत मंडल स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर पर चल रहे सप्त दिवसीय संस्कृत संस्कार शिविर का अतिथियों द्वारा विधिवत भगवान महाकालेश्वर का पूजन करके एवं विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र वितरित करके समापन किया गया। पंडित विनोद शास्त्री ने बताया कि संस्कृत संस्कार शिविर में 42 विद्यार्थियों ने सम्मिलित होकर वेद व्याकरण, कर्मकांड, ज्योतिष संध्या बंधन वास्तु शास्त्र हस्तरेखा एवं संस्कारों की शिक्षा ग्रहण की, इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक मुकेश टंडन ने कहा कि आज विनोद शास्त्री हमारे ऋषि मुनियों की परंपरा के अनुसार विदिशा में संस्कृत विद्यालय चला रहे हैं आज संस्कृत के प्रचार-प्रसार की बहुत आवश्यकता है। इन विद्यार्थियों के मुख से वेद मंत्र सुनकर मे धन्य हो गया, आप ही सब आगे चलकर लोगों को धर्म से जोड़ने का कार्य करेंगे। मुकेश टंडन ने विधायक निधि से 51000 रुपए एवं विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों की व्यवस्था करने के लिए घोषणा की एवं श्रीमहाकालेश्वर मंदिर प्रांगण टीन शेड पेपर ब्लॉक एवं चबूतरा निर्माण करवाने की घोषणा भी की। शिविर में जनपद अध्यक्ष वीर सिंह काका, आचार्य शिव कुमार तिवारी, पंडित अरुण अवस्थी, पंडित संजीव शर्मा एवं श्री महाकालेश्वर संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थी उपस्थित थे।

मारुति महायज्ञ का समापन

विदिशा। रंगई स्थित सिद्ध हनुमान मंदिर में पिछले 5 दिनों से मारुति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा था। जिसमें गुरूवार को पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन हुआ। साथ ही भव्य नगर भंडारे का आयोजन हुआ जो देर रात तक जारी रहा। इस महायज्ञ में दूर-दूर से कई साधु, मंहत, संत भी शामिल हुए।

भीषण गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने लगाये सकोरे

मण्डला- भारत स्काउट एवं गाइड मध्यप्रदेश जिला संघ मण्डला द्वारा सहायक आयुक्त एल एस जगेत, पदेन जिला कमिश्नर स्काउट, डिप्टी कलेक्टर मंडला,जिला अध्यक्ष अजय खोत, जिला मुख्य आयुक्त संजय तिवारी के मार्गदर्शन एवं जिला सचिव दिनेश दुबे के नेतृत्व में जिले के स्काउटर एवं गाइडर द्वारा इस भीषण गर्मी में पक्षियों को पीने के लिए पानी मिल सके इसके लिए मिट्टी के सकोरे वृक्षों एवं छतों में बांधने का अभियान चलाया गया इस कार्य में नागरिकों से भी आह्वान किया गया इस अभियान में कल्पना नागेश्वर उपाध्यक्ष, के.के.सोनवानी जिला प्रशिक्षण आयुक्त, महेश प्रसाद सरोते जिला संगठन आयुक्त, लोक सिंह पदम सह सचिव, संजय कुमार सिंगौर पर्यावरण प्रकोष्ठ, कमलेश हरदहा ब्लाक अध्यक्ष, दिलीप मरावी जिला मीडिया प्रभारी, सनातन प्रकाश सैनी सह मीडिया प्रभारी,आदि स्काउटर एवं गाइडर उपस्थित रहे।

कान्हा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में शिकारी पर वन अमले की दबिश, मांस अवशेष व सामग्री जब्त

मंडला~कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला वन परिक्षेत्र गढ़ी बफर और भेंसनघाट की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर बालाघाट जिले के गढ़ी थाना के अरंडी गांव में एक शिकारी के घर दबिश दी। यहां आरोपी बबलू टेकाम के घर पर वन्य प्राणी साम्भर का मांस बेचा जा रहा था। वन अमले की भनक लगते ही आरोपी मौके से भाग निकला। मौका स्थल से टीम ने करीब 2 द्मद्द मांस, अवशेष, छुरी, फंदा, लकड़ी आदि सामग्री जब्त कर आरोपी की पतासाजी की जा रही है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मौके पर डॉग स्क्वायड टीमे भी बुलाई गई जो जंगल और आसपास सर्चिंग कर रही है। कार्यवाही में वनपरिक्षेत्र अधिकारी भेंसनघाट कैलाश बामनिया,वनपरिक्षेत्र अधिकारी गढ़ी बफर गुरुदयाल साहू और स्टाफ की भूमिका रही।

गरीब जरुरतमंद बिटिया की शादी में मदद कर समाजसेवी गिरजा पाटकर ने मनाया जन्मदिन

छतरपुर/पन्ना रोड स्थित सिविल लाइन थाना के पास गाड़िया लोहार जनजाति समाज के गरीब जरूरतमंद लोग रोड के किनारे लोहा पीटकर घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं बनाकर अपना गुजर बसर करते हैं, उन लोगों के बीच समाजसेवी गिरजा पाटकर एवं योगा स्टार परिवार पहुंचा और उनका हाल चाल जाना उनके साथ कुछ समय बिताया बेटी की शादी में मदद की और अपने जन्मदिन की खुशियां बांटी ।

इस अवसर पर राष्टीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग कार्यवाह भालचंद्र नातू प्रमुख रूप से उपस्थित रहें, झुग्गी झोपड़ी में रहने बाली माया के परिवार में बेटी की शादी आगामी 25 मई को है और उनके घर व्यवस्था कुछ भी नही है, जब यह जानकारी राष्टीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग कार्यवाह भालचंद्र नातू जी ने समाज सेवी गिरजा पाटकर को दी तो ऐसे में योगा स्टार परिवार उनके घर पहुंचा और देखा की घर में उपयोगी वस्तुएं बनाने वाले लोग यहा रहते हैं और लगभग 20 वर्षों से यहा रह रहे हैं इन लोगो की मदद के लिए न तो कोई प्रशासन आया और न अन्य कोई, ऐसे में योगा स्टार परिवार के सदस्य झुग्गी झोपड़ी में रहने बाली माया के परिवार से मिला और उनका हाल चाल जाना

योगा स्टार परिवार के सदस्य गिरजा पाटकर ने अपने जन्मदिन की खुशियां बांटी और उनकी बेटी की शादी में 1 टीन तेल, एक बोरी आटा दाल चावल और अन्य राशन की सामग्री भेंट की ओर शादी के दिन टेंट भी लगवाने की व्यवस्था भी की । संघ के पूर्व विभाग कार्यवाह भालचंद्र नातू ने योगा स्टार परिवार की सराहना करते हुई कहा कि यह सभी परिवार हिंदू समाज का ही अंग है हम सभी को आगे आकर समय समय पर इन परिवारों की मदद करना चाहिए हिन्दू समाज की जिम्मेदारी है हम सभी इनके बीच में काम करें

इन बस्तियों में रहने वाली बेटी की मां माया ने कहा की हम लोगो के पास तो कुछ भी नहीं है देने के लिए आपने यहां पर आकर हमको बहुत कुछ दिया है हमारी बेटी की शादी में टेंट और राशन की सामग्री देकर हमारा भार हल्का किया हमको बहुत अच्छा लगा ।

इस अवसर पर राष्टीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग कार्यवाह भालचंद्र नातू, गिरजा पाटकर, आनन्द अग्रवाल, मनीष गुप्ता भोले, विकास गुप्ता संजय देउड़िया पवन गुप्ता प्रमोद गुप्ता राहुल समारी राजेंद्र राय रज्जू प्रदीप दुबे राजेद्र खरे रज्जू प्रदीप दुबे उपस्थित रहे

सोशल मीडिया से

अगले महीने से बदल जाएंगे कई वित्तीय नियम, जल्दी निपटा लें ये काम, नहीं तो होगी परेशानी

आज से 6 दिन बाद नया महीना यानी जून शुरू हो जाएगा। साल का नया महीना अपने साथ कई बदलाव भी लेकर आएगा। जून 2024 में वित?तीय कार्यों से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव होने वाला है। इन बदलावों का सीधा संबंध आपकी जेब से है...

मई का महीना खत्म होने वाला है और कुछ दिन में जून का महीना शुरू हो जाएगा। हर महीने की पहली तारीख को कई वित्तीय नियमों में बदलाव होता है। जून के महीने में कई वित्तीय नियम बदल जाएंगे। अगले महीने होने वाले इन बदलावों की जानकारी होना आपके लिए बहुत आवश?यक है। अगले महीने से एलपीजी सिलेंडर प्राइस से लेकर बैंकों हॉलीडे,आधार कार्ड अपडेट जैसे कई बदलाव होने जा रहे हैं। हम आपको उन नियमों के बारे में बता रह हैं, जो अगले महीने की एक तारीख से ही लागू हो जाएंगे।आइए जानते हैं एक जून 2024 से कौन-कौन से अहम बदलाव होने हैं....

जून महीने में आपकी जेब पर असर डालने वाले कई नियम बदल जाएंगे।

आधार कार्ड अपडेट

आधार कार्ड (इस्त्रद्धड्डड्ढ ष्टड्डह्स्र) को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यूआईडीएआई (द्भष्ठद्ब) ने फ्री में आधार अपडेट करने की तारीख अब बढ़ाकर 14 जून कर दी है। हालांकि, ऑफलाइन अपडेट यानी आधार केंद्र में जाकर अपडेट करवाने पर 50 रुपए प्रति अपडेट चार्ज देना होगा।

एलपीजी सिलेंडर

मई के महीने में तेल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कटौती की। 1 जून 2024 को घरेलू सिलेंडर और कमर्शियल सिलेंडर के दाम अपडेट होंगे।

जून बैंक हॉलीडे

जून महीने में 10 दिन बैंक बंद रहेंगे। इसमें रविवार, दूसरा-चौथा शनिवार की छुट्टी भी शामिल है। जून में राजा संक्रांति और ईद-उल-अधा जैसी अन्य हॉलीडे की वजह से बैंक बंद रहेगा।

ट्रैफिक के नियमों में बदलाव

1 जून से ट्रैफिक के नियम में बड़ा बदलाव होने वाले हैं। जून से ड्राइविंग लाइसेंस के नए नियम (ह्द्र2 ष्ठह्द्ब1द्बठ्ठद्द स्रद्बष्द्गठ्ठह्यद्ग ऋह्वद्यद्गह्य 2024) लागू होगा। नए नियम के अनुसार अगर कोई व्यक्ति तेज स्पीड में गाड़ी चलाता है तो उसे 1000 रुपए से 2000 रुपए तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। वहीं बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने पर 500 रुपए का जुर्माना देना पड़ेगा। बिना हेलमेट या सीटबेल्ट के गाड़ी चलाते है तो उसे 100 रुपए का जुर्माना देना होगा।

अमेजन रिवॉर्ड प्वाइंट

जून में क्रेडिट कार्ड से जुड़ा नियम भी बदलेगा। ऐसे में यदि आपके पास अमेजन पे आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड (्रद्वड्ड5शठ्ठ क्कड्ड4 द्बष्टद्बष्टद्ब ष्टह्म्द्गस्रद्बह् ष्टड्डह्म्स्र) है तो जून में इससे जुड़ा नियम बदल रहा है। 18 जून 2024 से इस कार्ड के रूल्स बदल जाएंगे। अभी तक इस कार्ड से रेंट पेमेंट करने पर जो 1 फीसदी का रिवॉर्ड प्वाइंट मिल रहा है उसे 18 जून से बंद कर दिया जाएगा।

प्रोत्साहन योजना से बाहर होंगी हीरो इलेक्ट्रिक और बेनलिंग, गलत तरीके से दोनों कंपनियों ने ली सब्सिडी

नईदिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली हीरो इलेक्ट्रिक और बेनलिंग इंडिया को भविष्य में किसी भी सरकारी प्रोत्साहन योजना में शामिल होने से रोक दिया गया है। दोनों को भारी उद्योग मंत्रालय की सभी योजनाओं से दो साल के लिए बाहर कर दिया गया है। दोनों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में तेजी लाने की मंत्रालय की योजना के दूसरे चरण (फेम-2) में दी गई सब्सिडी नहीं लौटाई है।

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, जांच में पता लगा है कि दोनों कंपनियों ने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम का उल्लंघन किया है। सरकार सब्सिडी नहीं लौटाने वाली इन दोनों कंपनियों से 200 करोड़ रुपये वापस मांग रही है। मंत्रालय ने उल्लंघन करने वाली सभी कंपनियों- हीरो इलेक्ट्रिक, ओकीनावा, एम्पीयर व्हीकल्स (ग्रीव्स कॉटन), बेनलिंग इंडिया, रिवॉल्ट इंटेलिकॉर्प और एमो मोबिलिटी को पिछले साल मई में ही फेम योजना से बाहर कर दिया था। छहों कंपनियों से कुल 469 करोड़ रुपये के करीब लौटाने को कहा गया था। इन छह कंपनियों में एमो मोबिलिटी, ग्रीव्स इलेक्ट्रिक और रिवॉल्ट इंटेलिकॉर्प ने सब्सिडी की रकम ब्याज के साथ लौटा दी। मगर हीरो इलेक्ट्रिक, ओकीनावा और बेनलिंग ने सब्सिडी व प्रोत्साहन की रकम वापस नहीं की। इस कारण अक्तूबर व नवंबर में उनके नाम हटा दिए गए। फेम-2 में हीरो इलेक्ट्रिक ने 133 करोड़, ओकीनावा ने 116 करोड़ और बेनलिंग ने 48 करोड़ रुपये सब्सिडी का दावा किया था।

सरकारी योजनाओं और एमएसपी बढ़ने से ऑटो सेक्टर मजबूत

पिछले साल सितंबर से अब तक रिकॉर्ड बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी। कोविड में ऑटो सेक्टर में सबसे अधिक गिरावट रही। लोगों ने अपनी नौकरियां खोईं, साथ ही सेविंग भी समाप्त हुईं। इससे ऑटो मार्केट पर बहुत बुरा असर पड़ा। हालांकि कोविड से उबरने के बाद अब ऑटो बाजार ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। कोविड के बाद थोड़ा समय लगा पर बाजार के दिन बदलने लगे। बाजार को सामान्य स्थिति में लाने में सरकार द्वारा पेश की गईं योजनाओं और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान देते हुए कृषि उत्पादों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का बड़ा योगदान रहा। जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में पैसो का प्रवाह बढ़ा और लोगों की सेविंग बढ़ने लगी। इस कारण ऑटो सेक्टर विशेषकर दोपहिया सेगमेंट ने रफ्तार पकड़ी। ग्रामीण इलाकों में जहां ट्रांसपोर्टेशन की काफी समस्या होती है। इसलिए वहां दोपहिया वाहनों की मांग अच्छी रहती है। इसकी वजह से इस सेगमेंट में पिछले साल सितंबर महीने से मजबूत ग्रोथ देखने को मिली है।

रिकॉर्ड बिक्री की वजह

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने बताया कि पिछले साल सितंबर महीने से अभी तक ऑटो सेक्टर ने मजबूत ग्रोथ के साथ रिकार्ड बिक्री देखी है। इसकी मुख्य वजह सरकार द्वारा एमएसपी और ग्रामीण इलाकों साथ ही शहरी क्षेत्रों के लिए विशेष स्कीम पेश करना रहा। इस वजह से उनके पास बचत शुरू हुई और ऑटो सेक्टर में अच्छी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। सालाना आधार पर 2024 अप्रैल में दो पहिया वाहनों की ग्रोथ 33 प्रतिशत रही। तीन पहिया की 9 प्रतिशत, यात्री वाहन की 16 प्रतिशत और कमर्शियल वाहनों की ग्रोथ 2 प्रतिशत देखी गई।

दोपहिया वाहनों में आगामी दिनों में रिकार्ड बिक्री रहेगी जारी: वे कहते हैं कि दोपहिया वाहनों की सबसे अधिक मांग ग्रामीण और छोटे शहरों से आती है। इन इलाकों में ट्रांसपोर्टेशन की परेशानी अधिक है, इसलिए दोपहिया वाहनों की बिक्री में लगातार वृद्धि हो रही है।अप्रैल में दोपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन 33 परसेंट बढ़कर 16,43,510 यूनिट हो गया, जबकि अप्रैल 2023 में यह 12,33,763 यूनिट था। मई में गर्मी अधिक पड़ने और शादी ब्याह के मर्हूत न होने की वजह से बिक्री में थोड़ी कम हो सकती है। लेकिन यह हर साल मई में होता है।

पैसेंजर व्हीकल में मॉडल्स की बेहतर उपलब्धता: पैसेंजर व्हीकल में सालाना आधार पर दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई, जिसे मॉडल्स की बेहतर उपलब्धता और अनुकूल बाजार भावनाओं (विशेष रूप से नवरात्रि और गुड़ी पड़वा जैसे त्यौहारों के आसपास) को समर्थन मिला। निर्माता कंपनियां अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए नए-नए फिचर के मॉडल्स पेश कर रहे हैं। ग्राहक भी पहले की तुलना नए फिचर अपडेग्रेशन और नए मॉडल्स को पसंद कर रहे हैं। इसलिए इस कैटेगरी में बिक्री बढ़ रही है और भविष्य में यह कैटेगरी वृद्धि दर्ज करेगी।

एसयूवी का चलन: कोविड से पहले और बाद में स्पोर्टस यूटिलटी व्हीकल्स (एसयूवी) को सबसे अधिक पसंद किया जाता रहा है। विशेषकर युवा और परिवार के लिए एक संपूर्ण कार है। सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखकर ग्राहक इसे खरीदना पसंद करते हैं। कंपिनयां नए फीचर वाले मॉडल्स पेश कर रही हैं। फाडा के अनुसार एसयूवी का मार्केट हिस्सेदारी 50 प्रतिशत की है और यह कैटेगरी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

नेटफ्लिक्स का ग्रेट इंडियन कपिल शो: फराह खान द्वारा अनिल कपूर को दिया गया निकनेम

मुंबई, एजेंसी। अगर अभी तक आपका नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो पर पिछले हफ़्ते सुपर स्टार सिंगर एड शीरन के एपिसोड का ख़ुमार नहीं उतरा है, तो तैयार हो जाईये ओजी बॉलीवुड ट्रेंडसेटर्स फ़राह ख़ान और अनिल कपूर से मिलने के लिए, जिनकी दोस्ती एक ज़माने से चली आ रही है।13-एपिसोड की सीरीज़ के इस 9वें एपिसोड में आप फ़राह का साफ दिल और अनिल कपूर के आकर्षक व्यक्तित्व को जान पायेंगे। लेकिन ज़रा रुकिए...क्या हमने फ़राह को अनिल को पापा जी कहते हुए सुना हैं? कपिल के पूछने पर फ़राह ख़ान ने ख़ुलासा किया कि अनिल का यह निकनेम कैसे शुरू हुआ था। फ़राह बताती हैं, इसका मतलब कोई पिता वाले पापा जी नहीं है। जब हम 1942 ए लव स्टोरी फ़िल्म पर काम कर रहे थे, (विधु) विनोद चोपड़ा जी हमारे साथ में थे। जब भी वो कुछ करते, हम (फराह और अनिल) उनकी तारीफ़ करते थे, पापाजी यू आर ग्रेट ! या पाप्पा जी यू आर पोप्पो ! फिर पाप्पा जी हमारा कोडवर्ड बन गया।

एचडीएफसी बैंक ने 600 शाखाओं में मेगा कार लोन मेला आयोजित किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के निजी क्षेत्र की अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज घोषणा की हैं कि उसने मध्य भारत और महाराष्ट्र की 600 शाखाओं में एक मेगा कार लोन मेला आयोजित किया है। यह तीन दिवसीय पहल 22 से 24 मई 2024 तक आयोजित की गई है। बैंक की मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों से, जिसमें नासिक, औरंगाबाद और विदर्भ डिवीजन शामिल हैं, इस तीन दिवसीय अभियान में हिस्सा ले रहे है । बैंक ने कई कार डीलरशिप के साथ साझेदारी की है, जिन्होंने प्रमुख ऑटोमोबाइल ब्रांडस के नवीनतम कार मॉडल प्रदर्शित किए हैं। इस पहल के माध्यम से ग्राहकों को उनकी पात्रता के अनुसार ऑन-द-स्पॉट ऋष्ठा मंजूर किया जाएगा साथ ही साथ वे वाहनों की टेस्ट ड्राइव भी ले सकेंगे । अखिलेश कुमार रॉय, बिजनेस हेड - ऑटो लोन और इन्वेंटरी फंडिंग, एचडीएफसी बैंक ने कहा, हम मध्य भारत और महाराष्ट्र में अपने उपभोक्ताओं के लिए कार लोन मेला पेश करके खुश हैं। यह ऋष्ठा मेला उपभोक्ताओं को हमारे आसान वित्त विकल्पों का अधिकतम लाभ उठाने का मौका देता है। विभिन्न प्रकार की पुनर्भुगतान कॉन्फ़िगरेशन और न्यूनतम कागजी कार्रवाई कार खरीद के इस अवसर को और भी अधिक सहज बनाने में मदद करेगी।

पेटीएम का रेवेन्यू सालाना 25 प्रतिशत बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये पहुंचा

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा वितरण कंपनी, पेटीएम ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 24 के वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। कंपनी के मुख्य व्यवसाय में परिचालन से प्राप्त रेवेन्यू में सालाना 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह वित्त वर्ष 24 में बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये पहुंच गया। तेज जीएमवी, डिवाइस की संख्या में हुई मजबूत वृद्धि और वित्तीय सेवा वितरण कारोबार के विस्तार ने इस ग्रोथ को बढ़ावा दिया। वित्त वर्ष 24 में जीएमवी 39 प्रतिशत बढ़कर 18.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। मार्च 2024 तक 1.07 करोड़ व्यापारियों द्वारा डिवाइस सब्सक्रिप्शन के लिए भुगतान किए जाने की वजह से सब्सक्रिप्शन राजस्व में मजबूत वृद्धि देखने को मिली। आईपीओ के बाद पहला पूर्ण लाभप्रदता वाले वर्ष के साथ वित्त वर्ष 2024 कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक रहा है, जिसमें ईसॉप स्तर पूर्व एबिटा 559 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष के 734 करोड़ रुपये से ऊपर है।

60 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट होने बाद शेयर बेच निकलने लगे निवेशक, लगा लोअर सर्किट

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेस्ट लैबोरेटरीज के शेयरों ने गुरुवार 23 मई को मजबूत शुरुआत की। एनएसई पर इसके 97 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले लगभग 60 प्रतिशत के प्रीमियम पर 155 रुपये पर लिस्टिंग हुई। हाई लेवल पर खुलने के बाद क्रेस्ट लेबोरेटरीज के शेयर 159 के स्तर पर पहुंच गए, लेकिन बाद में इसमें 5 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सुबह 10ः35 बजे के आसपास 147.35 पर कारोबार कर रहा था।

क्रेस्ट लेबोरेटरीज आईपीओ 43.16 करोड़ के साइज के साथ बुधवार, 15 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और शुक्रवार 17 मई को समाप्त हुआ। क्रेस्ट लेबोरेटरीज आईपीओ का मूल्य बैंड 93 से 97 प्रति शेयर था। आईपीओ का लॉट साइज 1,200 शेयरों का था। रिटेल निवेशकों के लिए आवश्यक न्यूनतम निवेश राशि 1,16,400 थी। क्रेस्ट लेबोरेटरीज आईपीओ को 85.26 गुना सब्सक्राइब किया गया था। आईपीओ को प्रस्ताव पर 29.85 लाख शेयरों के मुकाबले 25.5 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। रिटेल कैटेगरी को 57.63 गुना सब्सक्राइब किया गया, जबकि योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) कैटेगरी को 57.20 गुना और गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) कैटेगरी को 184.10 गुना सब्सक्राइब किया गया।

कंपनी मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग सुविधा, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के विस्तार के लिए संयंत्र और मशीनरी की खरीद सहित पूंजीगत व्यय को निधि देने के लिए शुद्ध निर्गम आय का उपयोग करने का इरादा रखती है। क्रेस्ट लेबोरेटरीज एक फार्मास्युटिकल कंपनी है जो बारह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में घरेलू बाजार में काम करती है। इसकी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट मध्य प्रदेश के धार में स्थित है।

खराब कोयला बेचने के आरोप: बाजार ने अदाणी समूह से जुड़ी नकारात्मक खबरों को किया खारिज, मार्केट कैप बढ़ना जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के बाजार पूंजीकरण में बुधवार को लगातार नौवें दिन बढ़त जारी रही। समूह का बाजार पूंजीकरण बुधवार को 16.5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया, पिछले नौ कारोबारी सत्रों में इसमें 10.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह तेजी उस दिन भी जारी रही जब लंदन स्थित फाइनेंशियल टाइम्स ने जॉर्ज सोरोस समर्थित ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) के दस्तावेजों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में अदाणी समूह पर धोखाधड़ी करने और वर्ष 2013 में तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को उच्च मूल्य वाले ईंधन के रूप में निम्न श्रेणी का कोयला बेचने का आरोप लगाया।

इससे पता चलता है कि बाजारों ने फाइनेंशियल टाइम्स की ओर से समूह के बारे में की गई रिपोर्ट को खारिज कर दिया है ओर बाजार का भरोसाअदाणी समूह के शेयरों में बरकरार है। पिछले एक साल में समूह के बाजार पूंजीकरण में लगातार वृद्धि से पता चलता है कि आरोपों के बावजूद, निवेशकों ने अदाणी समूह की कंपनियों में विश्वास जताया है। पिछले साल समूह का बाजार पूंजीकरण 56.6 फीसदी बढ़ा है और इसका प्रदर्शन व्यापक बाजार निफ्टी से बेहतर रहा है जिसमें इस अवधि में 23.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। यह तीसरी बार है जब दो विदेशी मीडिया प्लेटफार्मों ने समूह पर नकारात्मक रिपोर्ट प्रकाशित की है।

इस बीच अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और नवीनतम रिपोर्ट के समय पर सवाल उठाया जब देश में आम चुनाव चल रहे हैं। ताजा रिपोर्ट 2012-13 के दौरान कोयला आपूर्ति लेनदेन पर आधारित है, जब केंद्र में संप्रग सरकार थी। बाजार इसे भारतीय मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बाहरी हस्तक्षेप के रूप में देख रहा है। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा और कांग्रेस नेता जयराम रमेश सहित विपक्षी नेताओं ने इस खबर का हवाला देते हुए कथित गड़बड़ियों की संयुक्त संसदीय समिति से जांच की मांग की है।

बिजनेस लॉन्च के 5 साल के भीतर जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने दर्ज किया अपना पहला परिचालन लाभ

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख इको–फ्रेंडली पेंट कंपनी और 24 अरब यूएस डॉलर वाले जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 3 प्रतिशत से अधिक (लगभग 67 करोड़ रुपए) के एबिटा मार्जिन के साथ अपना पहला पूर्ण वर्ष परिचालन लाभ दर्ज किया। यह जेएसडब्ल्यू पेंट्स को अपने बिजनेस शुरू करने से 5 साल की सबसे कम अवधि में परिचालन लाभ दर्ज करने वाली पहली और सबसे युवा भारतीय पेंट्स कंपनी बनाता है। उद्योग की 10 गुना से अधिक विकास दर दर्ज करवाते हुए कंपनी का सकल राजस्व 2,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य को पार कर गया। सकल राजस्व में वृद्धि को डेकोरेटिव पेंट और इंडस्ट्रियल कोटिंग्स दोनों व्यवसायों में महत्वपूर्ण वृद्धि से समर्थन मिला।

मौजूदा विकास दर जेएसडब्ल्यू पेंट्स को अगले दो वर्षों के भीतर (यानी वित्त वर्ष 2026 तक) 5,000 करोड़ रुपए हासिल करने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए मजबूती से ट्रैक पर बनाए रखने वाली दरहै। डेकोरेटिव पेंट्स सेगमेंट में व्यवसाय के महत्वपूर्ण बदलाव वाली पहलों से इसे मजबूती दी जाएगी। कंपनी ने अपने डेकोरेटिव पेंट्स व्यवसाय में परिवर्तन और विकास का नेतृत्व करने के लिए आशीष रॉय को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर-डेकोरेटिव नियुक्त किया है। यूनिलीवर जैसे वैश्विक संगठनों में डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस दो दशकों से अधिक के अनुभव लेकर आए आशीष जेएसडब्ल्यू पेंट्स में डेकोरेटिव पेंट्स बिजनेस का नेतृत्व करेंगे और लगातार लाभदायक टॉप लाइन डवलपमेंट देंगे।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर पार्थ जिंदल ने कहा,जेएसडब्ल्यू पेंट्स के लिए सबसे कम समय में मुनाफे में आने वाली सबसे युवा पेंट कंपनी बनना रोमांचक और घटनापूर्ण रहा है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री सुंदरेसन एएस के अनुसार, हम एक युवा टीम हैं और ऐसे काम करने की इच्छा रखते हैं जो पहले कभी नहीं किए गए। हमें खुशी है कि हम जो बदलाव लाना चाहते हैं उसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिससे हमारी तेज गति से तरक्की को प्रोत्साहन मिला है। हम अपने उपभोक्ताओं के दरवाजे पर विश्व स्तरीय उत्पाद और सेवाएं लाना जारी रखने के साथ उनके घरों को वास्तव में सुंदर बनाने का वादा करते हैं।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के चीफ बिजनेस ऑफिसर–डेकोरेटिव्स आशीष राय ने कहा, मैं एक महत्वपूर्ण मोड़ पर जेएसडब्ल्यू पेंट्स से जुड़कर रोमांचित हूं, जहां व्यवसाय स्पष्ट रूप से अपनी विकास गति को तेज करने के लिए तैयार है। सजावटी पेंट्स दरअसल भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा अपने घरों को बदलने में महसूस की जाने वाली खुशी से बहुत निकटता से जुड़े हुए हैं।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल अहमदाबाद ने विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया

अहमदाबाद , एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने सिज़ोफ्रेनिया के मरीजों के लिए समाज में बदनामी के खिलाफ लड़ाई में कदम आगे बढ़ाने और इस बीमारी के बारे में खुलकर चर्चा करने हेतु जागरूकता बढ़ाने की हिमायत करके विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया। पूरी दुनिया 24 मई, 2024 को विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाने की तैयारी कर रही है, जिसे देखते हुए अस्पताल भी अब वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर जागरूकता फैलाने और सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित मरीजों के लिए सहयोग बढ़ाने की मुहिम में शामिल हो गया है। इस साल का विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस काफी मायने रखता है, क्योंकि इस साल के आयोजन की थीम सामुदायिक सद्भाव की ताकत का जश्न मनाना है। यह सिज़ोफ्रेनिया के मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों के बीच बेहतर तालमेल के साथ-साथ इससे संबंधित रिसर्च एवं इलाज के विकल्पों में हुई प्रगति पर चिंतन करने का समय है, जो मरीजों के जीवन को लगातार बेहतर बना रहे हैं। सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित लोग पूरी दुनिया में मौजूद हैं, जो इस बीमारी से पीड़ित लोगों के साथ-साथ उनके परिवारों और समुदायों को भी प्रभावित करता है। इस तरह की तमाम चुनौतियों के बावजूद, समाज में बदनामी का डर आज भी कायम है क्योंकि अक्सर समाज में सिज़ोफ्रेनिया को मानसिक रूप से कमजोर करने वाली बीमारी के तौर पर देखा जाता है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में सीनियर कन्सल्टेंट न्यूरोलॉजी, डॉ. मुकेश शर्मा कहते हैं, हम सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों और उनके परिवारों का हौसला बढ़ाने और उन्हें सहारा देने के अपने इरादे पर अटल हैं। हमारी थीम सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों की सहायता करने, शैक्षिक सेमिनार, जन जागरूकता अभियान, सहायता समूह बैठकों जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने, तथा कलात्मक अभिव्यक्तियों के ज़रिये समझ और सहानुभूति को बढ़ावा देने में समुदाय की अहम भूमिका को उजागर करती है।

अमरवाड़ा महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट को मिला बेस्ट ड्रिल प्रदर्शन का पुरस्कार'

अमरवाड़ा। 23 में 2024 विगत दिनों शासकीय कन्या शिक्षा परिसरए छिंदवाड़ा में 24 मध्य प्रदेश एनसीसी बटालियन छिंदवाड़ा के कमान अधिकारी कर्नल थॉमस ओमेन के नेतृत्व में आयोजित सीएटीसी .2 कैंप में शासकीय स्नातक महाविद्यालय अमरवाड़ा के लगभग 23 एनसीसी कैडेटों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट अरविंद धुर्वे ने बताया कि प्राचार्य डॉण् शिवचरण मेश्राम के मार्गदर्शन में सभी कैडेट्स अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर विशेष उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं । कैंप में कैडेट मदन यादव को सीनियर डिवीजन में सर्वश्रेष्ठ डीएसटी ;ड्रिलद्ध के लिए बेस्ट कैडेट का पुरस्कार प्राप्त हुआए जो महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है । साथ ही कॉरपोरल आशकुमार यादव का चयन पॉइंट 22 राइफल इंटर डायरेक्टरेट फायरिंग कंपटीशन के लिए हुआ है। जो अभी वर्तमान में महू फायरिंग प्रशिक्षण संस्थान महू (इंदौर)में फायरिंग कंपटीशन में शामिल है। इस प्रकार कॉलेज की सीनियर विंग कैडेट अंडर ऑफिसर सृष्टि नामदेव और कैडेट अरविंद उइके वर्तमान में बाधा प्रशिक्षण (ऑब्सटेकल ट्रेनिंग) में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर थल सेना कैंप के लिए चयनित हुए हैं, जो वर्तमान में अभी जबलपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं । महाविद्यालय के इन एनसीसी कैडेट्सों की इन विशेष उपलब्धियां के लिए प्राचार्य और समस्त महाविद्यालय परिवार ने कैडेट्स को शुभकामनाएं और बधाई दिया है।

शिक्षा ही एकमात्र मूल्यवान संपत्ति है जो समग्र जीवन को व्यवस्थित करती है: ब्रणबसंत महाराज

अमरवाड़ा। तत्वज्ञान एवं संस्कार शिक्षण शिविर अमरवाड़ा आयोजन के अंतिम बेला पर अध्यात्म रत्न बाल ब्रह्मचारी इतिहास रत्नाकर बसंत जी महाराज ने शिक्षण शिविर की महत्व के बारे में बताया कि शिक्षा का उच्च स्तर व्यक्ति को सामाजिक और पारिवारिक सम्मान तथा एक अलग पहचान बनाने में मदद करता हैस जीवन में सफलता प्राप्त करने और अपने जीवन को नई दिशा प्रदान करने हेतु शिक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन है 'धार्मिक शिक्षा एक और सिद्धांत का बोध कराती है तो दूसरी और आत्मविश्वास को दृढ़ करते हुए अपने समग्र जीवन को व्यवस्थित करती है' शिक्षण शिविर द्वारा प्राप्त शिक्षा मूल्यवान संपत्ति है शिक्षा ऐसी नींव है जिस पर समग्र मानव जाति का भवन स्थित है शिक्षा पर ही मनुष्य का भविष्य निर्भर है। शिक्षा से संस्कारी जीवन एक ऐसे जलप्रपात की तरह होता है जिसमें जीवन का सौंदर्य युक्त व्यक्ति को सामाजिक एधार्मिक और आदि सभी क्षेत्रों में विशिष्ट रूप से प्रतिष्ठापित करता है। धार्मिक और आध्यात्मिक शिक्षा बहती हुई नदी की धारा की तरह ऐसा ज्ञान का प्रभाव है एजीवन की समस्त बुराइयों को दोष को भागता हुआ .परिष्कृत करता हुआ निर्मलता प्रदान करता है और सच्चे सुख की प्राप्ति में सहायक होता है । धार्मिक शिक्षा जीवन का वह परम सुंदर है जिससे समग्र जीवन आत्मज्ञान से अलंकार होता है जीवन समय ज्ञान से आलोकित होता हुआ ऐसी श्रेष्ठ रिश्ता को प्राप्त होता है जिसमें दुखों का अभाव और परम सुख की प्राप्ति होती है। शिविर के अंतिम सत्र पर बसंत जी महाराज द्वारा शास्त्रों के कथन करने की पद्धति. अनु योग के बारे में वस्तु स्वरूप को स्पष्ट रूप से समझने के लिए विभाजित चारों अनुयोग प्रथमानुयोग, द्रव्यानुयोग सहित चरित्र और पुराण में अंतर, प्रथमानुयोग के स्वाध्याय से लाभएण् 24 तीर्थंकर ए12 चक्रवर्ती एनो नारायण, 9 प्रति नारायण, नो बलभद्र महापुरुषों के जीवन चरित्र में विस्तृत रूप से प्रकाश डाल कर शिवरात्रियों का मार्ग प्रशस्त किया।

थाना अमरवाडा पुलिस द्वारा 72 लीटर देशी मसाला शराब जप्त कर

अमरवाड़ा। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ए. पी. सिंह के निर्देशन में छिंदवाड़ा जिले में अवैध शराब (मादक पदार्थ की तस्करी) विक्रय व अवैध शराब का भंडारण करने वालो के विरुद्ध प्रभावी। कार्यवाही करने का जिले में विशेष अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अमरवाडा रविन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारी अमरवाड़ा राजेंद्र धुर्वे द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तत्काल सूचना पर टीम गठित कर जिसमेंउप निरी राजेन्द्र वघेल सउनि द्वारका पाल प्रण्आर 531 जयसिंह बघेल द्वारा घेराबंदी कर ग्राम ढाबा सुखारी रोड वार्ड नंबर 9 अमरवाड़ा में आरोपी के मकान बाड़ी से विक्की उर्फ विकास पिता विजेन्द्र साहू आयु 22 साल निवासी वार्ड नंबर 9 सुखारी ढाबा रोड अमरवाडा जिला छिन्दवाडा को पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी ए दबिश कर पकड़ा जिसके कब्जे से कब्जे से कुल 400 पाव देशी लाल मसाला शराब कुल मात्रा 72 लीटर, कीमती लगभग 40ए000 हजार रूपये की पाई गई ए आरोपी द्वार शराब कहा से लाया है के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है आरोपी का कृत्य धारा 34 (2) आबकारी एक्ट ए पाये जाने पर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर अप क्र.-339-24 कायम कर विवेचना में लिया गया ।

शराब के नशे में डांस पार्टी करते 34 लोग 11 महिलाएं पकड़ाई

पांढुर्ना, सौंसर के हैं युवा, नागपुर की हैं महिलाएं

छिंदवाड़ा। नेचर्स प्राइड वाटर पार्क एंड रिसोर्ट वाटर फाल एण्ड रिसोर्ट में मुलताई पुलिस ने छापामार कारवाई करते हुए पांढुर्ना के 34 पुरूषों और नागपुर की 11 महिलाओं को अवैध रूप से शराब के साथ पार्टी करते हुए पकडा।

पुलिस एफआईआर के अनुसार रात्री लगभग 1 बजे इस स्थान पर 34 व्यक्ति और 11 महिलाएं शराब के नशे में धूत होकर म्युजिक सिस्टम की तेज आवाज में डांस कर रहे थे। कुछ पुरूष एवं महिलाएं हाथों में गिलास लेकर तथा कुछ पुरूष एवं महिलाएं टेबलपर गिलास में बोतले उंडेलते हुए शराब का सेवन कर रहे थे।

परदे के पीछे पांढुर्ना का बड़ा डिस्टीब्यूटर

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पार्टी पांढुर्ना निवासी खाद एवं बीज के एक बडे डिस्ट्रीब्यूटर की ओर से

अरेंज की गई थी। इसलिए पकडाए आरोपियों में 20 से अधिक पुरूष आरोपी पांढुर्ना नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में खाद बीज की खरीदी एवं बिक्री से जुडे है। सिर्फ3 आरोपी महाराष्ट्र के वरूड क्षेत्र के है शेष सौंसर तहसील के है। अपना असली नकली माल खपाने हेतु ललचाने के उद्देश्य से इन 34 खाद बीज क्रेताओं को वाटर पार्क में बुलाकर उनके सामने शराब की नदियां बहायी गई। नागपुर से महिलाओं को बुलाकर उन्हें विक्रेताओं के साथ शराब पिलाने एवं नचवाने के पीछे पांढुर्ना के एक बडे खाद बीज के डिस्ट्रब्यूटर की प्रमुख भूमिका रही है। लेकिन आरोपियों में शराब पार्टी के आयोजक पांढुर्ना के डिस्ट्रीब्यूटर का नाम नहीं है। लगता है कि पार्टी के मुख्य सूत्रधार ने पुलिस के साथ तगडी जुगलबंदी कर ली है।

आरोपियों पर लगी ये धाराएं

पुलिस को पूछताछ करने पर पार्क के प्रतिनिधियों ने बताया गया कि अधिकांश पुरूष पांढुर्ना एवं आस पास क्षेत्र के निवासी है और महिलाओ को डांस के लिए नागपुर से बुलाया गया है। मुलताई पुलिस ने इस मामले में बिना लाइसेंस शराब पिलाने अवैध शराब संग्रहण तथा कोलाहल अधिनियम को लेकर धारा 34-1, 36 (ए 36) तथा धारा 7.15 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

संगठनों को खत्म करना कर्मचारियों के प्रति नफरत का उदाहरण

तुरंत वापस लिया जाए संगठनों की मान्यता खत्म करने वाला अवैधानिक आदेश : वासुदेव शर्मा

छिंदवाड़ा। प्रदेश के लाखों कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के संगठनों का पंजीयन समाप्त करके मध्यप्रदेश की सरकार ने कर्मचारियों के प्रति अपनी नफरत का एक और उदहारण प्रस्तुत किया है ।

ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थाई, अंशकालीर्न, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने इस दुराग्रहीं, कर्मचारी विरोधी आदेश की निंदा की है तथा इसे लाखों कर्मचारियों के ऊपर मनमानी और तानाशाही थोपने की दिशा में एक और कदम बताते हुए आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग सरकार से की है। वासुदेव शर्मा ने कहा कि संगठनों पर सरकार द्वारा की गई कार्यवाही ऐसे समय की गई है। जब मध्यप्रदेश में आउटसोर्स, अस्थाई, ठेर्का, अंशकालीर्न, ग्राम पंचायत कर्मचारी रोजगार में सुरक्षा एवं सम्मानजनक वेतन के लिए व्यापक संघर्ष की तैयारी कर रहे हैं। 16 जून से भोपाल में लाखों पीड़ति कर्मचारी घेरा डारो.डेरा डालो आंदोलन का ऐलान कर चुके हैंए तब सरकार द्वारा संगठनों पर की गई कार्यवाहीए कर्मचारियों को डराने धमकाने के लिए की गई है।

संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने सरकार के आदेश की आलोचना करते हुए कहा है कि भाजपा के दो दशक के शासनकाल में धीरे धीरे करके सारे कर्मचारी संगठनो को खत्म करनेए कानूनी झगड़ों में उलझा देने की नीति अपनाई जाती रही है, जो संगठन इससे बचे रहे अब उन्हें इस एकतरफा और पहली नजर में ही अवैधानिक आदेशों के जरिये समाप्त किया जा रहा है । खुद मुख्यमंत्री के अधीन आने वाले विभाग द्वारा ऐसा किया जाना स्पष्ट करता है कि यह भाजपा सरकार की सोची समझी नीति का हिस्सा है।

लोकतंत्र के बाकी आयामों को सिकोड़ने के बाद अब कर्मचारियों के संगठन बनाने के संवैधानिक अधिकारों को भी बाधित करने की साजिश रची जा रही है । वासुदेव शर्मा ने याद दिलाया है कि जिन संगठनों की मान्यता समाप्त किया गया है वे आधी सदी से भी अधिक समय से कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं । उनके साथ इस तरह की धड़ाधड़ कार्यवाही, उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय तक न देना पूर्वाग्रही मानसिकता का उदाहरण है ।

9 जून को मनाई जाएगी महाराणा प्रताप जयंती

राजपूत क्षत्रिय महासभा की आयोजन समिति की बैठक में हुआ निर्णय

छिंदवाड़ा। नगर के नरसिंहपुर रोड स्थित राजपूत क्षत्रिय महासभा के भवन में गुरुवार को समाज की विशेष बैठक आयोजित की गई। जिसमे महाराणा प्रताप जयंती मनाने आयोजन समिति बनाई गई। साथ ही 9 जून को सामाजिक भवन में शाम 7 बजे से महाराणा प्रताप जयंती मनाने का निर्णय लिया गया।समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समाज के भवन निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि 9 जून महाराणा प्रताप जयंती तिथि होने के चलते आयोजन समिति द्वारा जयंती इसी दिन मनाने निर्णय लिया गया है।इस दौरान महाराणा जयंती कार्यक्रम को लेकर आमंत्रण पत्र प्रकाशित कराने सहित कार्यों को लेकर अलग . अलग समितियां बनाई गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर समाज के 75 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वरिष्ठ जनों का सम्मान करने का निर्णय लिया गया। साथ ही 10 वी एवम 12 वी कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक से प्राप्त करने वाले बच्चों और जिला और स्टेट लेवल में खेल स्पर्धा व कला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में समाज के विस्तार हेतु व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने, डोर टू डोर संपर्क करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में समाज के वरिष्ठ सदस्य लाल सिंह चंदेलए प्रभात सिंह, अभय सिंह बेस, अरविंद प्रताप सिंह, उदय प्रताप सिंहए संजय सिंह, रघुराज सिंह, इंद्रपाल सिंह, बहादुर सिंह, प्रशांत सिंह चंदेल, दिनेश सिंहए संदीप सिंह चंदेल, श्रीओम सिंह, प्रीति बिसेन, मंजू बेस, नीरज सिंह चौहान, आकाश सिंह, कैलाश सिंह, विश्वजीत सिंह सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

सभी राजस्व अधिकारी समय सीमा में करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण : कलेक्टर श्री सिंह

छिन्दवाड़ा। कलेक्टरशीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के सभी राजस्व अधिकारियों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में निर्धारित एजेंडा बिंदुओं के अनुसार राजस्व प्रकरणों ;आरसीएमएसद्ध में नामांतरणए बंटवाराए सीमांकन आदि के निराकरण की समीक्षाए साईबर तहसील एवं साईबर रिकार्ड रूम की स्थितिए भू-राजस्व एवं अन्य सभी मदों की मांग एवं वसूली की प्रगतिए प्राकृतिक आपदा आर.बी.सी. 6(4) के अन्तर्गत लंबित प्रकरण एवं राहत राशि वितरण, भू.अभिलेख (रिकार्ड) नक्शा खसरा शुध्दिकरण, पी.एम. किसान सम्मान निधि एवं सीएम किसान कल्याण योजना के अंतर्गत ई-केवायसी कार्यों की समीक्षा।

100 देशों के 40 लाख घरों में गूंजा गायत्री मंत्र किया यज्ञ

बुद्ध पूर्णिमा के दिन यज्ञ के साथ ही वृक्षारोपण का लिया संकल्पएहजारों घरों में हुआ अध्यात्मिक प्रयोग ए पर्यावरण संरक्षण में होगा सहायक

छिंदवाड़ा। वैश्विक संक्रमण को रोकने विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षणए वातावरण परिशोधन हेतु अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा घोषित नारी शक्तिकरण वर्ष के अंतर्गत माताजी की जन्म सताब्दी नवसृजन महापुरश्चरण के अंतर्गत गायत्री तीर्थ के आह्वान पर विश्व के 100 देशों में 40 लाख घरों में तथा जिला स्तर पर लगभग 21 हजार से अधिक घरों में गायत्री यज्ञ संपन्न हुए जिसमें सभी धार्मिक सामाजिक। संगठन एवं गायत्री परिजनों के सहयोग से संपन्न हुए। इस अवसर पर नशा नहीं करना एवं वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया गया ।

जिला गृहे.गृहे गायत्री यज्ञ उपासना जिला प्रभारी अरुण पराड़कर द्वारा बताया गया कि 23 मई 2024 बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर विश्व कल्याण पर्यावरण संरक्षण हेतु पूरे विश्व में एक साथ जिले के प्रत्येक विकासखंड के सभी गांव में गायत्री परिवार एवं अन्य सहयोगी के माध्यम से, गायत्री परजनो के माध्यम से घर घर जाकर, ऑनलाइन एझूम मीटिंग, फेसबुक, युटुब के माध्यम से यज्ञ कर्मकांड का संचालन शान्तिकुंज हरीद्वार के मनीषियों द्वारा किया गया इस पावन अवसर पर शान्तिकुंज हरीद्वार से गायत्री परिवार प्रमुख आदरणीय श्रद्धेय डॉ. प्रणव पंड्या हरिद्वार द्वारा अपने उद्बोधन में बताया की गायत्री यह वैचारिक विषाक्तता को दूर कर देता है एवं यज्ञ के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण का परिषोधन होता हैं पुरातन काल में जब वेक्सिन, दवाई, टीका नही लगाया जाता था तब ऋषि मनीषीयो द्वारा यज्ञोपेथी के माध्यम से माहामारी का निवारण किया जाता था आज का यह आध्यात्मिक प्रयोग भी समस्त मानव जाति के कल्याण हेतु पूरे विश्व में संपन्न हुआ।

छिंदवाडा जिले में लगभग 21 हजार से अधिक घरों मे यज्ञ संपन्न हुए जिसका विधिवत पंजीयन भी किया गया है। इस आयोजन की मुख्य विशेषता यह रही कि जिन परिजनों को यज्ञ करते नहीं आता उन्होंने यज्ञ सरल विधि एऑनलाइन जुड़कर, मोबाइल पंडित के माध्यम से यज्ञ सम्पन्न किया साथ ही सरल एवं सहज लोगों के द्वारा अपने इष्ट आराध्य पूजन करके अग्नि स्थापना, 24 बार गायत्री मंत्र एवं 5 महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां समर्पित कर पर्यावरण सन्तुलन की कामना के साथ इस आयोजन को लेकर गायत्री परिवार द्वारा मोबाइल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया जिसमें स्कूल के बच्चों धार्मिक संस्थाओं सामाजिक संस्थाओं ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया और उत्साह और उमंग के साथ अपने.अपने घरों में यज्ञ कर सबके मंगलमय जीवन की प्रार्थना की गई।

इस अवसर अवसर पर जिला समन्वयक दिनेश देशमुख द्वारा बुद्ध पूर्णिमा पर छिंदवाड़ा जिले में ऐतिहासिक आयोजन आज संपन्न हुआ है जिसमें सभी गायत्री परिवार सहित सामाजिक संगठन धार्मिक संगठन के सहयोग हेतु हम आभारी रहेंगे आप सबका यह संयोग निश्चित रूप से इस वैश्विक संकट को दूर करने के लिए कारगर सिद्ध होगा। इस अवसर पर सभी ने एक एक वृक्ष को लगाने का संकल्प लिया।

भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा भगवान बुद्ध की 2567 वी जयंती का किया आयोजन

अमर शहीद विक्की पहाड़े सामाजिक कार्यकर्ता तुलसाआई गोंडाने को दी श्रद्धांजलि

छिंदवाड़ा। भारतीय बौद्ध महासभा त्रिरत्न जन कल्याण समिति सुजाता महिला संघ के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय डॉ अंबेडकर तिराहा पर तथागत भगवान बुद्ध की 2567 वी जयंती एअमर शहीद विक्की पहाड़े महासभा की पूर्व जिला उपाध्यक्ष तुलसाआई गोंडाने के श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह का संचालन जिला उपाध्यक्ष एड राजेश सांगोडे द्वारा किया गया सर्वप्रथम तथागत भगवान बुद्ध संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम अध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष एड रमेश लोखंडे जिला उपाध्यक्ष और राजेश संगोडे त्रिरत्न जन कल्याण समिति संरक्षक एस आर बेले, मनोहर नारनवरे डॉ श्यामकुवर, विजय मेंढे, जय भीम सेना जिला अध्यक्ष शिवम पहाड़े, शाहिद विक्की पहाड़े की माताश्री दुलारी पहाड़े पत्नी, रीना पहाडे, बेटा हार्दिक पहाड़े, सुभाष गोंडाने सुजाता महिला संघ अध्यक्ष चंद्रकला बेलेए ममता सहारे, कोषाध्यक्ष लीला नारनवरे, सुनीता निकोसे एसचिव प्रशांत गजभिए, कोषाध्यक्ष लेखराम पगारे, सचिव ममता सहार आदि उपस्थित थे।

ट्रक और बाइक की टक्कर युवक की मौत

छिंदवाड़ा। जानकारी अनुसार अभिषेक पिता संतोष डेहरिया उम्र 22 साल खिरदा गांव का रहने वाला है। वह सुबह कालेज और पेट में पथरी होने के कारण सोनोग्राफी कराने आया था। इस दौरान उसका किसी दोस्त से विवाद हो गया। विवाद के बाद वह घर वापस लौट रहा था।

एचएलएल के पास सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे लोगों की मदद से उसे जिला अस्पताल लाया गया।

डाक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस खबर के बाद परिवार में मातम पसर गया है।

कालेज की हो चुकी पढ़ाई

बताया जा रहा है कि कालेज की पढ़ाई पूरी हो चुकी है। आज वह कालेज किसी काम से आया था। कालेज के काम के बाद वह पेट में पथरी होने के कारण सोनोग्राफी कराने जाने वाला थाए लेकिन वह कालेज के काम के बाद वह अचानक घर लौट गया। एचएलएल के पास हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है वह बाइक से अकेला ही आया था।

यादगार रहा समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन

वीतराग भवन में बाल ब्रह्मचारी पंडितश्री सुमत प्रकाशजी जैन का मिला समागम

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश की धर्म नगरी छिंदवाड़ा के वीतराग भवन में सकल जैन समाज के लिए मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन द्वारा बाल ब्रह्मचारी पंडितश्री सुमतप्रकाशजी जैन के मंगल सानिध्य में लगाया गया नौ दिवसीय समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन विविध उपलब्धियों के साथ यादगार एवं ऐतिहासिक रूप से साआनंद संपन्न हुआ।

फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया शिविर में पूरे देश से ब्रह्मचारी भाई बहनों के साथ श्रावक . श्राविकाओं का छिंदवाड़ा आगमन हुआ और सभी ने बहुत ही प्रसन्नता पूर्वक सम्यक समाधि सहित क्षपक एवं निर्यपक का स्वरूप समझा और उस अनुसार जीवन जीने का संकल्प लिया। शिविर में बाल ब्रह्मचारी चर्चित शास्त्री एवं महेंद्र जैन ने श्रावकाचार के आधार पर जैनोपैथी के मध्यम से अहिंसक पद्धति से जीवन जीने की कला एवं रोगों से बचाव एवं उपचार को बताया।

इस अवसर पर देवलाली से पधारी बाल ब्रह्मचारिणी बासंती बहनजी ने बहुत ही मधुर शैली में जिनागम का सच्चा स्वरूप बताया और दिगंबर जिनधर्म की महिमा बताकर मुनिराजों का गुणगान किया।

इस अवसर पर मंडलए फेडरेशनए महिला मंडल एवं पाठशाला के बच्चों के साथ शिविर आमंत्रणकर्ता परिवार श्रीमती सुनीता गोविंदप्रसाद जैनए मिनी अभिषेक जैनए मयूरी सौरभ जैन एवं दीपिका शेषमणी जैन ने सभी आगंतुक ब्रह्मचारी भाई बहनों सहित श्रावक . श्राविकाओं का आत्मीय अभिनंदन कर साधर्मी वात्सल्य की मिशाल पेश की। जिसकी सभी अतिथियों ने सराहना कर छिंदवाड़ा समाज के साधर्मी वात्सल्य की खूब खूब अनुमोदना कर उनका आभार व्यक्त किया।

शिविर में दिल्लीए अलीगढ़ए देवलालीए नागपुरए इंदौरए भोपालए रतलामए जबलपुरए सनावतए सागरए सिवनीए बांकल सहित पूरे जिले से सैंकड़ों की संख्या में साधर्मियों ने हिस्सा लेकर धर्म लाभ लिया।

'मंगलमय विदाई दी'

शिविर समापन के पश्चात मंडल एवं फेडरेशन के सदस्यों ने बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी जैन साव सहित सभी अतिथियों को आत्मीय विदाई देकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंडल एवं फेडरेशन के सदस्यों ने छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन पर जिनशासन के मंगलगान कर धर्ममय वातावरण बना दिया जिसमे अशोक वैभवए पंडित ऋषभ शास्त्रीए दीपक राज जैनए सचिन जैनए सुनील जैनए समकित जैनए अंकेश जैनए यशराज जैनए आदेश जैनए विशाल शास्त्रीए सौरभ जैन सहित बड़ी संख्या में जिनशासन सेवकों ने एक घंटे तक मंगलगान कर आत्मीय विदाई दी जो जीवन भर याद रहेगी।

'ललितपुर शिविर में सम्मिलित होंगे विद्वतगण'

बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी जैन के साथ चर्चित शास्त्रीए महेंद्र जैनए सुरेंद्र जैनए आशीष जैन सहित अन्य साधर्मी पातालकोट एक्सप्रेस से ललितपुर रवाना हुए जहां युवा फेडरेशन के तत्वावधान में 25 मई से 11 जून तक होने वाले 18 दिवसीय 56 वें शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेकर जिनशासन की मंगल प्रभावना करेंगे।

ब्लैक लिस्टेड नर्सिंग कॉलेजों की फिर से की जाए जांच

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। प्रदेश में 20 वर्षों से काबिज भाजपा सरकार की छत्रछाया में नर्सिंग कॉलेजों में जमकर घोटाले हुये जिनकी भेंट प्रदेश के अनेकों अनेक छात्र.छात्रायें चड़ गये। विरोध हुआ तब जाकर सरकार कुंभकर्णी नींद से जागी और जांच के आदेश दिये पर निष्पक्ष जांच नहीं हुई। पूर्व में हुये घोटालों की जांच में जिस तरह लीपापोती की गई वही लीपापोती इस मामले में भी की जा रही। मप्र सीबीआई ने नर्सिंग घोटाले की जांच की अब उसके अफसर ही रिश्वत लेते हुये गिरफ्तार हो रहे हैं। इससे साबित हो रहा कि नर्सिंग घोटाले की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच नहीं हुई है।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ;एनएसयूआईद्ध के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर अपनी प्रमुख मांग का ज्ञापन प्रस्तुत किया। राज्यपाल के नाम प्रस्तुत ज्ञापन में एनएसयूआई ने मांग की है कि मप्र के ब्लैक लिस्टेड नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच पुनरू की जायें। मप्र सीबीआई के द्वारा समस्त ब्लैक लिस्टेड नर्सिंग कॉलेजों की जांच की गई है। सीबीआई के अफसरों ने रिश्वत लेकर अधिकांश कॉलेजों को उपयुक्त का सर्टिफिक्रेट देने में जमकर धांधली की है। मप्र सीबीआई के भ्रष्ट अफसरों ने रिश्वत लेने के लिये बिचौलियों का जाल

बिछा रखा था। दिल्ली से चल रही सीबीआई विजिलेंस की जांच में सामने आया है कि अफसर जांच के नाम पर रिश्वत की राशि तय करते थे। घूस लेकर कॉलेजों को उपयुक्त का सर्टिफिक्रेट देना यह साबित करता है कि पुनरू प्रदेश के छात्र.छात्राओं के भविष्य के साथ इन कॉलेजों में खिलवाड़ होगा जिस पर रोक लगाना नितांनत आवश्यक है।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर की सहमति उपरांत एनएसयूआई नगर अध्यक्ष समर्थ मैद के नेतृत्व में सौंपे गये ज्ञापन में राज्यपाल से सम्पूर्ण ब्लैक लिस्टेड नर्सिंग कॉलेजों की पुनरू दिल्ली सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन सौंपते समय प्रमुख रूप से निगम ग्रामीण अध्यक्ष पीयूष शर्मा, अंकित मेहराए अंशुल शमा, नूर हसन, तालिब खान, नयन एवं शहर एनएसयूआई के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

त्वरित टिप्पणी

जी. के. छिब्बर

अनुच्छेद 370 की समाप्ति संविधान सम्मत, पुनर्विचार याचिकायें निरस्त

संविधान पीठ का निर्णय

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी. वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता मे पांच न्यायाधीशों की पीठ ने वो सभी पुनर्विचार याचिकाएं निरस्त कर दी है जिसने सविधान पीठ के 11 दिसम्बर 2023 के सर्वसम्मत निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। संविधान पीठ ने 5 अगस्त 2019 के अनुच्छेद 370 एवम 35 ए की समाप्ति के सरकार के निर्णय को संविधान सम्मत ठहराया था।

पीठ ने कहा कि पुनर्विचार याचिकाओ में ऐसा कोई आधार नही है जिसके कारण 11 दिसम्बर 23 के साविधान पीठ के निर्णय पर पुनः मौखिक सुनवाई की जाए। याचिकाओं के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है की समस्त उठाए गए सवालों का निष्कर्ष 11 दिसम्बर 23 के निर्णय में दिया जा चुका है।

यह उल्लेखनीय है कि आज़ादी के बाद 70 वर्ष तक जम्मू कश्मीर वोट बैंक एवम अलगाववादी ताकतों की राजनीति का शिकार रहा ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस ओर पीडीपी ने अनुच्छेद 370 एवम 35 ए की आड़ में कश्मीर को अलग थलक बनाए रखा जिसमे कांग्रेस की भूमिका भी सक्रिय सहयोगी की रही।

कोई भी सरकार संविधान के अस्थाई अनुच्छेद को छूने का साहस नहीं कर पा रही थी लेकिन बीजेपी के घोषणा पत्र में यह मुद्दा वर्षो से रहा जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजनैतिक कौशल एवम इच्छा शक्ति ने यह क्रांतिकारी कदम उठाया और 5 अगस्त 2019 को जम्मु कश्मीर को नई दिशा दी जिसका परिणाम गत 5 वर्षों में काश्मीर घटी में आंतकवाद समाप्ति पर है पर्यटक भारी संख्या में जा रहे है व्यापार बडा है अमन चैन है। संविधान पीठ के निर्णय में कश्मीर से विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं के लिए आयोग बनाने का निर्देश दिया था तथा जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा शीघ्र प्रदान करने का भी उल्लेख किया था दलितों को सम्पूर्ण अधिकार मिलेंगे आरक्षण मिलेगा।

पुनर्विचार भी अब निरस्त हो गई है अब राज्य में शीघ्र विधान सभा के चुनाव होंगे ऐसी आशा की जा सकती है लोकसभा के चुनावों में कश्मीर में भरी रिकॉर्ड मतदान हुवा है जो शुभ संकेत है जनतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत हुई है।

माधवी राजे की अस्थियां शिप्रा में विसर्जित:दर्शन और पुष्पांजलि के बाद कलश यात्रा निकली, रामघाट पर हुआ पूजन

उज्जैन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया की अस्थियां शुक्रवार को उज्जैन में शिप्रा में विसर्जित की गईं। ग्वालियर से लाए गए अस्थि कलश को दर्शन के लिए सख्याराजे धर्मशाला पर रखा गया। यहां लोगों ने पुष्प अर्पित किए। इसके बाद अस्थि कलश यात्रा निकाली गई। इसके लिए रथ को तैयार किया गया है। रथ पर माधवी राजे सिंधिया का पोस्टर लगाया गया। यात्रा देवास गेट मालीपुरा, कंठाल गोपाल मंदिर होते हुए रामघाट पहुंची। यहां पूजन किया गया।

15 मई को राजमाता माधवी राजे सिंधिया का दिल्ली के एम्स में निधन हो गया था। 16 मई को ग्वालियर में छत्री परिसर में उनका अंतिम संस्कार किया गया था। ग्वालियर से राजमाता माधवी राजे का दूसरा कलश गुरुवार को शिंदे मंडली के सदस्य पांडु रंगा राव और महल के अधिकारी संग्राम सिंह कदम उज्जैन लेकर आए। यह माधवी राजे की अस्थियों का तीसरा कलश होगा। सिंधिया राजघराने से जुड़े डॉ. विजय त्रिवेदी ने बताया कि यात्रा में सिंधिया राजघराने के लोग शामिल हो सकते हैं।

चिल्ड्रन्स थियेटर अकादमी द्वारा बच्चों के लिए मुखौटा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत बच्चों को कलाकार गयूर कुरैशी उज्जैन मुखौटा सिखा रहे हैं। कार्यशाला का मार्गदर्शन प्रेम गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।

फर्जी बिल घोटाला खुलने के बाद नगर निगम में गैर जरूरी सतर्कता से परेशानी !

इंदौर। सवा करोड़ से भी ज्यादा का घोटाला सामने आने के बाद नगर निगम के लगभग हर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बहुत सतर्क होकर काम कर रहे हैं। यह सतर्कता काम को लेकर नहीं बल्कि स्वयं को बचाने को लेकर है। हालांकि इस सतर्कता के गैर जरूरी काम के कारण अब निगम से जुड़े अन्य विभागों की फाइलें अटकने लगी।

फाइलें रुकने के कारण अन्य विभागों का पैसा भी भुगतान होने से रुक रहा है। ऐसी ही फाइलों में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के करीब 5 करोड़ से अधिक का भुगतान अटक गया है। बताया जा रहा है कि निगम के ऑडिट विभाग ने फाइल को मंजूर कर लेखा शाखा में भेजने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही विद्युत कनेक्शन की यह राशि अब तक इस घोटाले के मुख्य षड्यंत्रकारी अभय राठौर की आईडी से भुगतान होती रही। अब नई आईडी से भुगतान किया जाएगा।

नगर निगम में हुए फर्जी फाइल घोटाले में नगर निगम की जांच और पुलिस की जांच के बावजूद अब तक अभय राठौर से आगे किसी के सम्मिलित होने की कोई कहानी सामने नहीं आई है। पुलिस की जांच भी अब करीब करीब पूर्णता की तरफ आ गई है। इस घोटाले के मुख्य षड्यंत्रकारी नगर निगम के कार्यपालन नियंत्रक अभय राठौर को पुलिस रिमांड में पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। जो मुख्य जानकारी इस घोटाले में मिल सकती थी वह इस आरोपी से ही मिल सकती थी। इस आरोपी के जेल जाने के साथ ही अब इस मामले में कोई बड़े खुलासे की उम्मीद शेष नहीं बची है।

बोरिंग और स्ट्रीट लाइट के 2200 से ज्यादा कनेक्शन

निगम के इस घोटाले के कारण मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के करीब 5 करोड़ रुपए अटक गए हैं। शहर में नगर निगम द्वारा करीब 2200 बिजली कनेक्शन लिए हुए हैं। यह बिजली कनेक्शन स्ट्रीट लाइट और नलकूप की मोटर चलाने के हैं। इन बिजली कनेक्शन में उपयोग की गई बिजली का हर महीने का करीब 5 करोड़ रुपए का बिल आता है। इस बिल का भुगतान नगर निगम के द्वारा किया जाता है। इस महीने का भी बिल आ चुका है।

नगर निगम की ओर से इसका भुगतान करने के लिए फाइल तैयार कर निगम के ऑडिट विभाग में भेजी गई। ऑडिट विभाग के द्वारा इस फाइल को पास करने से इनकार कर दिया गया है। आडिट विभाग ने इस फाइल को निगम की लेखा शाखा में भेज दिया है। विभाग का कहना है कि पहले लेखा शाखा इस फाइल की जांच कर ले, देख ले और अपनी टिप्पणी फाइल की नोटशीट पर दर्ज कर दे। उसके बाद में ऑडिट विभाग को फाइल भेजी जाए।

प्रक्रिया से हटकर कैसे करें काम

इस बारे में लेखा शाखा के अधिकारियों का कहना है कि अब तक की परंपरा के अनुसार विभाग से फाइल ऑडिट विभाग में आती है और वहां से पास होने के बाद वापस विभाग में जाती है। फिर जाकर यह फाइल लेखा विभाग में भुगतान के लिए आती है। अब इस प्रक्रिया से अलग हटकर प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश ऑडिट विभाग के द्वारा की जा रही।

दरअसल नगर निगम के इस फर्जी फाइल घोटाले में ऑडिट विभाग के चार अधिकारी निलंबित हुए हैं। इसके परिणाम स्वरूप अब ऑडिट विभाग के अधिकारी इस तरह का कोई कार्य करने के लिए तैयार नहीं है। जिससे कि आने वाले समय में उनकी भूमिका पर सवाल उठ सके। इस सब स्थिति के चलते हुए ही बिजली कंपनी के भुगतान की फाइल अटक गई है।

मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम की 46 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज रेल कोच रेस्टोरेंट में आरुषि संस्था के बच्चों को दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया गया। यहां साथ ही प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिव शेखर शुक्ला तथा निगम के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा द्वारा बच्चों को उपहार भी वितरित किए गए।

खजराना सट्टा कांड में टीआई सस्पेंड, कुछ और पर कार्यवाही होगी

इंदौर। खजराना इलाके में भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े नेता के घर चल रहे सट्टे पर कार्रवाई के मामले में खजराना थाने के टीआई सुजीत श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया गया। उन्हें थाने से हटाकर अटैच किया गया है। बुधवार को डीएसपी के निर्देश पर सट्टे के अड्डे पर दबिश दी गई थी। यहां से बड़ी मात्रा में नकदी जब्त हुई थी। समझा जा रहा कि इस मामले में कुछ और पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई होगी।

डीसीपी के निर्देश पर बुधवार दोपहर पुलिस ने भाजपा नेता सलीम मंसूरी के सट्टे के अड्डे पर छापा मारा। मंसूरी पुलिस वालों से सांठगांठ करके सट्टे का अड्डा चला रहा था। मंसूरी ने खुद को विधायक (भाजपा) प्रतिनिधि बताकर पुलिस को कार्यवाही से रोकने की भी कोशिश की। लेकिन, पुलिस किसी दबाव में नहीं आई। पुलिस ने मौके से 11 लाख 77 हजार रुपए जब्त कर मंसूरी समेत 6 लोगों की गिरफ्तारी किया। थाना खजराना में अपराध क्रमांक 450 2024 धारा 419 भादवि, द पब्लिक गैंबलिंग एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। सलीम के विरुद्ध कई प्रकरण दर्ज है। पूरा थाना सट्टे के अड्डे से वाकिफ था। मामले में थाना प्रभारी सुजीत श्रीवास्तव सहित बीट अधिकारी की भूमिका संदिग्ध बताई गई।

कार्यवाही की खजराना टीआई को खबर नहीं

पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता को सूचना मिली थी कि खजराना इलाके के अशर्फी नगर में सलीम मंसूरी में लंबे समय से सट्टा चल रहा है। अफसरों से सांठगांठ और विधायक का करीबी होने से इस पर कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस कमिश्नर ने जोन-2 के डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा को कार्यवाही निर्देश दिए। डीसीपी ने परदेशीपुरा एसीपी (आईपीएस) नरेंद्र रावत की टीम गठित की और खजराना पुलिस को बताए बगैर छापा मारा।

नगर निगम ने अवैध मांस विक्रेताओं पर की कार्रवाई, वसूला 15 हजार रुपये जुर्माना

भोपाल। शहर की सुंदरता एवं स्वच्छ भारत अभियान के तहत दीवारों पर कराई गई वाल पेटिंग के आसपास दीवार लेखन करने वालों व कारीडोर में अवैध रूप से सामान रख आवागमन को अवरुद्ध करने वालों के विरुद्ध नगर निगम सख्ती से कार्रवाई कर रहा है। इसी के तहत नगर निगम के अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए बागसेवनिया थाने के पास कारीडोर में अवैध रूप से मांस-मटन का विक्रय करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 13 दुकानों को हटा दिया और इन दुकानदारों से 15 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूल किया है। नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायन ने निर्देश दिए हैं कि दीवार लेखन कर शहर की सुंदरता को बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शहर की साफ-सफाई व कचरा निष्पादन व्यवस्था को उच्चस्तरीय बनाने तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायन ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि कचरा उत्सर्जन स्थल से ही गीले-सूखे कचरे को अलग-अलग रखा जाए। अलग-अलग ही परिवहन किया जाए, कचरा कहीं भी न जलाएं, नाला-नालियों की बेहतर ढंग से सफाई कराई जाए। उन्होंने अवधपुरी स्थित सुलभ जनसुविधा केंद्र के निरीक्षण के दौरान जनसुविधा केन्द्र में कोई अटेंडर न पाए जाने एवं रेट लिस्ट भी नहीं लगी होने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना कराया।

कमजोर प्रदर्शन वाले युवा कांग्रेस के पदाधिकारी बदले जाएंगे, शीघ्र ही बनेगी नई टीम

भोपाल। प्रदेश युवा कांग्रेस की शीघ्र ही नई टीम बनेगी। इसमें कमजोर प्रदर्शन वाले पदाधिकारियों को हटाकर दूसरों को अवसर दिया जाएगा। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने प्रदेश कार्यालय भोपाल में संगठन के जिला व विधानसभा अध्यक्षों से एक-एक कर चर्चा की है। इस दौरान इनके नीचे ऐसे पदाधिकारियों के नाम भी सामने आए जो ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। इन्हें बदलने की तैयारी है।

मितेंद्र का कहना है कि जो भी पदाधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी और समर्पण भाव से नहीं कर पाएगा, उसकी जगह किसी अन्य ऊर्जावान नौजवान साथी को अवसर दिया जाएगा। दूसरे दिन की चर्चा में मितेंद्र ने यह भी कहा कि इस सोच के साथ काम नहीं करना है कि अब अगला चुनाव पांच साल बाद होगा। संगठन का सोच हर दिन चुनाव लड़ने जैसा होना चाहिए।

उन्होने कहा-परिवर्तन सबको समझ में आ रहा है कि लड़का काम करने वाला होगा तभी तो मेरी विधानसभा में काम करेगा, उनके जिले में काम करेगा। आज कोई भी ऐसे नाम नहीं देना चाहता जो उनके लिए बोझ बनें क्योंकि हर काम की मॉनिटरिंग होने लगी है।

कॉलेज में चुनाव होने चाहिए

मितेंद्र ने मीडिया से चर्चा के दौरान साफ शब्दों में कहा- कॉलेज में चुनाव बिल्कुल होने चाहिए। मैं कह रहा हूं कि भाजपा को यह सोच नहीं है कि युवा को आगे बढ़ाए। अगर यह सोच होती तो छात्र संघ के चुनाव होते। ये चुनाव तो एक युवा के लिए निर्णायक भाव और भावनात्मक चुनाव होते हैं। जहां से दुनिया के देश के जो लीडर हैं वो छात्र संघ से निकले। भाजपा से कहना चाहता हूं कि आप युवाओं को शोषण करना बंद करें। और यह कहना बंद करें कि हमने युवाओं के लिए मुकाम खड़े किए हैं। यह सभी युवाओं को झूठे सपने बेचते हैं। 20 करोड़ नौकरियां का बेचा, भर्ती का सपना बेचा, व्यापमं जैसे घोटाले हुए, पटवारी घोटाला, आपने कहा था कि हम भर्ती कैलेंडर बनाएंगे। कहां है वह कैलेंडर? अब यह पूछना पड़ेगा आप युवाओं के साथ कहां न्याय का काम कर रहे हैं आप टोटल अन्याय का काम कर रहे हैं।

नर्मदापुरम में गर्मी से 3 छात्राओं की तबीयत बिगड़ी

आज आधे एमपी में लू का अलर्ट; ग्वालियर-चंबल की गर्मी मालवा-निमाड़ में शिफ्ट

भोपाल मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। 2-3 दिन से ग्वालियर-चंबल की गर्मी मालवा-निमाड़ की ओर भी शिफ्ट हुई है। इस वजह से इंदौर, उज्जैन, खंडवा, शाजापुर भी भट्?टी की तरह तप रहे हैं। यहां तापमान रिकॉर्ड 44 से 46 डिग्री के पार जा पहुंचा है।

गुरुवार को गुना सबसे हॉट रहा। यहां टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 46.6 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर और उज्जैन सीजन के सबसे गर्म रहे। ऐसा ही मौसम शुक्रवार को भी बना रहेगा। प्रदेश के आधे हिस्से में लू का अलर्ट भी है। मौसम विभाग ने बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट में आंधी-बारिश का अलर्ट भी जारी किया है।

नर्मदापुरम के पवारखेड़ा में एग्रीकल्चर कॉलेज की तीन छात्राओं की तबीयत गुरुवार रात बिगड़ गई। रात 9.30 बजे छात्राओं को हॉस्टल स्टाफ जिला अस्पताल लेकर आया। एक छात्रा बेहोशी की हालत में थी। छात्राओं को उल्टी और डिहाइड्रेशन की शिकायत है। इमरजेंसी ड्यूटी डॉक्टर राजेश धाकड़ ने बताया कि गर्मी की वजह से छात्राओं की तबीयत बिगड़ी है। नर्मदापुरम में गुरुवार दिन का तापमान 40.7 डिग्री रहा।

मालवा - निमाड़ में भी भीषण गर्मी...

भोपाल के सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि 4-5 दिन पहले तक एक ट्रफ लाइन तेलंगाना से पूर्वी मध्यप्रदेश तक बनी थी, जो गुजर गई है। ड्राइ वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी गुजर रहा था। इस वजह से उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी गर्म हवाएं प्रदेश के उत्तरी हिस्से को ज्यादा प्रभावित कर रही थीं। पिछले 24 घंटे की बात करें, तो राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन है। इस वजह से इंदौर, उज्जैन संभाग में पश्चिमी हवाएं प्रभावी हैं। इस कारण कुछ जिलों में लू का असर है। ग्वालियर-चंबल के साथ मालवा-निमाड़ में भी भीषण गर्मी है। मई के आखिरी तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

मंडल 3040 की रोटरी गवर्नर रितु ग्रोवर भोपाल में रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल की आधिकारिक विजिट पर आज आई रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष संजय दुबे ने क्लब की सेवाओं को रिपोर्ट प्रस्तुत की। गवर्नर रितु ग्रोवर ने क्लब के सेवा कार्यों का भ्रमण भी किया और क्लब के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

9 जून को हड़ताल पर रहेंगे स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के आवाहन पर प्रदेश भर के हजारों स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी अपनी प्रमुख मांगों के समर्थन में 9 जून 2024 को हड़ताल पर रहेंगे तथा अंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर भोपाल में धरना देकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे हड़ताल का नोटिस आज स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों ने मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को सौंप दिया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ एवं पुरानी पेंशन का लाभ तथा दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित न्यूनतम वेतनमान का लाभ देने स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश दिनांक 27 फरवरी 2024 का लाभ देने अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने स्थानांतरण नीति बनाने आकस्मिक मृत्यु होने एवं सेवानिवृत होने पर10 लाख रुपये ग्रेजुटी का लाभ देने आयुष्मान कार्ड की सुविधा देने मेडिकल सुविधा तथा अवकाश सुविधा सरकारी कर्मचारियों की सामान देने की मांग के समर्थन में प्रदेश भर के स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हड़ताल पर रहेगे ,सरकार लंबे समय से प्रदेश के स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की मांगों को संज्ञान में नहीं ले रही है पिछले 8 साल से स्थाई कर्मियों को किसी प्रकार की सुविधा का लाभ नहीं दिया है ना ही चतुर्थ श्रेणी के 30 हजार पद रिक्त होने के बावजूद भी स्थाई कर्मियों को चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियमित किया जा रहा है।